

लोकसभा ने रचा इतिहास, महिला आरक्षण बिल पास, पक्ष में पड़े 454 वोट

अंकित सिंह

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला आरक्षण विधेयक को ‘अपना विधेयक’ बताने के कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के दावे पर परोक्ष निशाना साधते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि कुछ लोग इस विधेयक को ‘अपना’ बताकर श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं।

नारी शक्ति वंदन विधेयक को चर्चा के बाद लोकसभा में पास कर दिया गया। महिला सशक्तिकरण को लेकर यह काफी अहम माना जा रहा है। इस विधेयक को लगभग सभी पार्टियों ने अपना समर्थन दिया है। वोटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लोकसभा में मौजूद रहे। विधेयक के पक्ष में 454 वोट पड़े जबकि दो खिलाफ में गए। हालांकि, उनके कुछ सवाल भी थे। कुछ पार्टियों की ओर से इसे चुनावी जुमला बताया गया और सवाल किया गया कि इसे कब लागू किया जाएगा? कुछ ने सवाल उठाए कि आखिर इस विधेयक को लागू करने के लिए परिसीमन और जनगणना की क्या आवश्यकता है? यह अभी क्यों नहीं लागू हो सकता? वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जल्द से जल्द परिसीमन और जनगणना के बाद इसे लागू किया जाएगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह हमारे लिए राजनीतिक मुद्दा नहीं है। इस दौरान जातीय जनगणना का भी मुद्दा उठा और साथ ही साथ ओबीसी में भी महिला आरक्षण का भी मुद्दा उठा।

किसने क्या कहा?

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को सरकार से आग्रह किया कि ‘नारीशक्ति वंदन विधेयक’ के कानून बनने के साथ इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए क्योंकि इसे लागू करने में देरी भारत की महिलाओं के साथ घोर नाइसर्ग होगी। उन्होंने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले ‘संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023’ का समर्थन किया और यह भी कहा कि जाति जनगणना करा कर इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की जाए। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने में अपने पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को याद किया और कहा कि इस महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने से उनके दिवंगत पति का अधूरा सपना पूरा होगा।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि आधी आबादी को अधिकार देने का विधेयक लाने का श्रेय केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी को जाता है। निचले सदन में महिला आरक्षण से संबंधित ‘संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023’ पर चर्चा में भाग लेते हुए दुबे ने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल इतने वर्षों तक इस विधेयक को लेकर नहीं आए और प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा ने इसे लाने का नैतिक साहस दिखाया।

द्रविण मुनेत्र कथगम (द्रमुक) ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला आरक्षण विधेयक को राजनीतिक भाग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि महिलाओं को पूजा और वंदन की जरूरत नहीं है, उसे समानता और सम्मान की जरूरत है। लोकसभा में ‘संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023’ पर चर्चा में भाग लेते हुए द्रमुक की सदस्य कमिनीश्री ने इसका समर्थन किया और कहा, “लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा



ने इसे भी राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। वर्ष 2024 के चुनावों को ध्यान में रखकर यह विधेयक लाया गया है।’

समाजवादी पार्टी की सदस्य डिंपल यादव ने बुधवार को लोकसभा में सरकार से आग्रह किया कि महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रावधान वाले ‘नारीशक्ति वंदन विधेयक’ में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के साथ ही अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) तथा अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के लिए अलग कोटा निर्धारित किया जाए। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से लोकसभा सदस्य डिंपल ने यह सवाल भी किया कि चुनाव से ठीक पहले सरकार को महिलाओं की याद क्यों आई? उन्होंने यह सवाल किया, “क्या आरक्षण अगले लोकसभा चुनाव और आगामी विधानसभा चुनाव में लागू हो पाएगा या नहीं?”

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सरकार पर महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक आगामी लोकसभा चुनाव में फायदा पाने के लिए लाने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि संसद में हर फैसला चुनाव को देखकर नहीं किया जाता। लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित ‘संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023’ पर चर्चा के दौरान हस्तक्षेप करते हुए केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि विधेयक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा की मांग करने वाली कांग्रेस ने 2010 में उसके नेतृत्व वाली चुनाव के समय इस विधेयक को लाये जाने के दौरान ओबीसी कोटे की बात क्यों नहीं की थी। उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा, “कांग्रेस को क्या नया-नया यह खयाल आया है।”

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का विरोध किया और आरोप लगाया कि सरकार संसद में सिर्फ ‘सर्वण हिमालाओं’ का प्रतिनिधित्व बढ़ाना चाहती है तथा उसे अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) एवं मुस्लिम समुदाय की महिलाओं की चिंता नहीं है।

जनता दल (यूनाइटेड) ने ‘नारीशक्ति वंदन विधेयक’ को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए

सरकार का ‘जुमला’ करार देते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि यह विधेयक कुछ और नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ पर ‘पैनिक रिएक्शन’ (घबराकर उठाना गया कदम) है। जदयू के सदस्य राजीव रंजन सिंह ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले ‘संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां संशोधन) विधेयक, 2023’ पर निचले सदन में जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा, “हमारी पार्टी विधेयक का समर्थन करती है, क्योंकि हम महिला सशक्तिकरण में विश्वास रखते हैं। लेकिन यह सरकार का 2024 का चुनावी जुमला है।”

भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने बुधवार को लोकसभा में महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का समर्थन किया और सरकार से यह आग्रह भी किया कि इस विधेयक में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए कोटे का प्रावधान किया जाए।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने महिला आरक्षण विधेयक को ‘अपना विधेयक’ बताने के कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के दावे पर परोक्ष निशाना साधते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि कुछ लोग इस विधेयक को ‘अपना’ बताकर श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं। भाजपा नेता ईरानी ने महिला आरक्षण से संबंधित संविधान (128वां संशोधन) विधेयक 2023 पर निचले सदन में चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि विपक्ष देशवासियों को भ्रमित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष का नाम लिये बिना कहा कि सदन में कहा गया कि संयुक्त प्रतिशील गठबंधन सरकार ने 2010 में विधेयक पेश किया था।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महिला आरक्षण से संबंधित विधेयक का बुधवार को समर्थन किया और यह भी कहा कि इसमें अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) की महिलाओं के लिए अलग आरक्षण का प्रावधान होना चाहिए क्योंकि इसके बिना यह विधेयक अधूरा है। उन्होंने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के प्रावधान वाले ‘संविधान (एक सौ अट्ठाईसवां

संशोधन) विधेयक, 2023’ पर निचले सदन में चर्चा में भाग लेते हुए यह आरोप भी लगाया कि सत्तापक्ष जातीय जनगणना की मांग से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है।

राज्यसभा की कार्यवाही

राज्यसभा में बुधवार को सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा कि चन्द्रयान-3 की सफल ‘सॉफ्ट लैंडिंग’ ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारत बड़ी से बड़ी चुनौतियों का मुकाबला कर सकता है। उच्च सदन में ‘भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा चंद्रयान-3’ की सफल सॉफ्ट लैंडिंग विषय पर अल्पकालिक चर्चा की शुरुआत करते हुए सदन के नेता गोयल ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा में शामिल वैज्ञानिक समुदाय और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई दी और उसकी भावी योजनाओं के लिए शुभाकामनाएं दीं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने राज्यसभा में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) - नीत केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की अब तक की उपलब्धियां किसी एक सरकार के कार्यकाल में नहीं हासिल हुईं, बल्कि यह 60 साल लंबी यात्रा का परिणाम है। अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों का नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा श्रेय लिये जाने के विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को राज्यसभा में दावा किया कि इस क्षेत्र को आम आदमी एवं उद्योगों के लिए बंद करके रखा गया था जिससे इसकी प्रगति इतने वर्षों तक बाधित रही। उन्होंने बताया कि देश में अभी अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में 150 स्टार्ट अप काम कर रहे हैं। राज्यसभा में बुधवार को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सदस्य वी विजय साई रेड्डी ने कांग्रेस पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि उसने अपने शासनकाल में वैज्ञानिक समुदाय के साथ अन्याय किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को नौकरशाही के प्रभाव से मुक्त कराने के विपक्ष के सुझाव को खारिज करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने इस दिशा में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रशासनिक सुधारों की सराहना की है।

33 % आरक्षण लागू होने से 23 महिलाएं बनेंगी विधायक मातृशक्ति ने बताया ऐतिहासिक फैसला



दशकों से लंबित महिला आरक्षण बिल को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी से राज्य की महिला विधायक और नेता उत्साहित और गदगद हैं। उन्होंने बिल को महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

फ्री सदी आरक्षण मिलने से देश के सर्वोच्च सदन में महिलाओं के लिए 181 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। उत्तराखंड जैसे छोटे राज्य में भी 70 में से 23 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। देश की आजादी के अमृत काल में प्रधानमंत्री के इस ऐतिहासिक फैसले से पूरे देश की महिलाओं में आत्म सम्मान और आत्म विश्वास का भाव पैदा होगा।

उत्तराखंड की धरती सशक्त मातृशक्ति की पहचान रही है। ऐतिहासिक चिपको आंदोलन की इस धरती में महिलाओं ने हमेशा से आगे बढ़ चढ़कर भाग लिया है। उत्तराखंड राज्य आंदोलन इसका एक ज्वलंत उदाहरण है। बिल के पास होने के बाद से लोकसभा और विधानसभाओं में भी महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने से मातृशक्ति को और बल मिला है।

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कहा, महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के विधेयक को लेकर कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा से नारी शक्ति का सम्मान किया है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलने के फैसले के बाद पूरी तस्वीर बदलने वाली है।

महिलाओं के लिए 181 सीटें हो जाएंगी आरक्षित



महिलाओं के लिए जरूरी है वित्तीय सशक्तिकरण इन उपायों से मिल सकती है असल ताकत

बदलते समय के साथ महिलाएं सशक्त हो रही हैं, बड़े-बड़े उद्यमों और कॉर्पोरेट संगठनों में वे अब उच्च-स्तरीय पदों पर पहुंच रही हैं। महिलाएं वित्तीय योजना बनाने और घर की वित्तीय मजबूती सुनिश्चित करने में एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं। अगर महिलाओं को आसानी से कर्ज की उपलब्धता सुनिश्चित हो तो वे न सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त होंगी बल्कि इससे फाइनेंशियल इन्क्लूजन में भी मदद मिलेगी। पिछले कुछ सालों में लोन ने महिला उद्यमिता को फलने-फूलने में अच्छी-खासी मदद की है। ऐसी महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो जीवन में अपने लक्ष्यों को पाने के लिए लोन ले रही हैं। क्रिफ हाय मार्क ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, उसमें यह बात साफ नजर आती है। रिटेल लोन के बकाया पोर्टफोलियो में महिलाओं की हिस्सेदारी 25 फीसदी तक हा गई है। यह आंकड़ा दिसंबर 2021 तक 20.7 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर दिसंबर 2022 तक 26 लाख करोड़ रुपये हो गया है। लोन लेने वाली 35 वर्ष या इससे कम उम्र की युवा महिलाओं की हिस्सेदारी पिछले 3 कैलेंडर वर्षों में 38.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 43.4 फीसदी हो गई है।

आइए जानते हैं कि महिलाओं को किन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है, ताकि उन्हें भविष्य में आसानी से कर्ज मिल सके और वे वाकई में सशक्तिकरण का लाभ उठा सकें...

अन्य लक्ष्यों को प्राथमिकता दें, बजट

बनाएं और बचत करें

वित्तीय लक्ष्य तय करके शुरुआत करें. हालांकि समयसीमा अलग-अलग हो सकती है और अल्पावधि, मध्यावधि और दीर्घकाल के लिए आपकी प्राथमिकताओं के आधार पर फेरबदल हो सकता है. अल्पकालिक लक्ष्यों में बजट निर्धारित करना, इमरजेंसी फंड के लिए बचत करना, किराया देना, बीमा खरीदना, स्टूडेंट लोन या क्रेडिट कार्ड का भुगतान करना, यात्रा करना, शादी करना आदि शामिल हो सकता है. मध्यावधि लक्ष्यों में घर खरीदना, कार पर डाउन पेमेंट के लिए बचत करना और कर्ज चुकाना शामिल है. सेवानिवृत्ति के लिए बचत करना, गिरवी चीजों को छुड़ाने के लिए भुगतान करना, व्यवसाय शुरू करना और बच्चे की शिक्षा के लिए बचत करना सभी दीर्घकालिक लक्ष्यों की श्रेणी में आयेगे.

डेट और इक्विटी में निवेश के डायवर्सिफिकेशन से संपत्ति बनाएं

उच्च और रिस्क उठाने की क्षमता के आधार पर नुकसान के जोखिम को कम करने और रिटर्न को ज्यादा से ज्यादा करने के लिए विभिन्न एसेट क्लास में निवेश बांटने करने पर विचार करें. आपको महिलाओं के लिए तैयार किए गए निवेश के रास्ते ती तलाशने चाहिए, जो महिला वर्ग को उच्च ब्याज दरें प्रदान करते हैं, जैसे कि एफडी और महिलाओं के लिए सरकारी योजनाएं.

क्रेडिट तक संस्थागत पहुंच

आज सरकारी पहलों के कारण महिला उद्यमियों के पास औपचारिक ऋण तक आसान और

त्वरित पहुंच उपलब्ध है, जिससे ऋण तक पहुंच और सामर्थ्य में वृद्धि हुई है. ये योजनाएं महिलाओं के लिए विशेष रूप से लक्षित होती हैं, जिनमें कम ब्याज दरें, सिक्क्योरिटी-फ्री लोन्स, क्रेडिट लिंकड कैपिटल सब्सिडी और पुनर्भुगतान में लचीलेपन जैसे फायदे होते हैं.

अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाए रखें

एक अच्छा क्रेडिट स्कोर बनाए रखने के लिए कुछ चीजें करने की जरूरत है, जैसे कि एक अच्छा क्रेडिट मिक्स बनाए रखना, जिसमें सुरक्षित और असुरक्षित, दोनों प्रकार के कर्ज शामिल हों. क्रेडिट लिमिट और आपके क्रेडिट खर्च के बीच का अनुपात बनाए रखें. सुनिश्चित करें कि आप अपने क्रेडिट कार्ड का अधिकतम उपयोग न करें. समय पर बकाये का पेमेंट करें. बार-बार कर्ज या कार्ड के लिए इन्क्वायरी न करें.

अपनी संपत्तियों को बीमा करवाकर सुरक्षित रखें

अपनी संपत्तियों को बीमा से कवर करवाना अनिवार्य है. इसमें अप्रत्याशित घटनाओं से सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, वाहन बीमा और संपत्ति बीमा खरीदना शामिल हो सकता है, जिसका महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव हो सकता है. बीमा के साथ संपत्ति की सुरक्षा करके महिलाएं यह सुनिश्चित कर सकती हैं कि अप्रत्याशित चुनौतियों के बावजूद उनका वित्तीय पोर्टफोलियो सुरक्षित रहे.

(लेखक क्रिफ हाय मार्क के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, प्रकाशित विचार उनके निजी हैं.)



बदलते समय के साथ महिलाओं की भागीदारी व्यवसाय से लेकर उद्यम तक में बढ़ी है, लेकिन उन्हें अभी वित्तीय तौर पर और सशक्त बनाए जाने की जरूरत है...

सीबीआई की विशेष अदालत में मनीष सिसोदिया की पेशी, चार आरोपियों को मिली जमानत

राउज एवेन्यू कोर्ट के सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में चार आरोपियों को जमानत दे दी है। सीबीआई ने इन आरोपियों को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया था। स्पेशल सीबीआई जज एमके नागपाल ने आरोपी राजेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार और अर्जुन पांडेय को नियमित जमानत दी है। सीबीआई ने इन चार आरोपियों के साथ पांच के खिलाफ पूरक आरोप पत्र गायर किया था।

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट के एक सीबीआई स्पेशल कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में चार आरोपियों को जमानत दे दी है। सीबीआई ने इन आरोपियों को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया था। स्पेशल सीबीआई जज एमके नागपाल ने आरोपी राजेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार और अर्जुन पांडेय को नियमित जमानत दी है। सीबीआई ने इन चार आरोपियों के साथ पांच के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। इस मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी कोर्ट में पेश हुए थे। अदालत ने सीबीआई को सभी आरोपितों को आरोप पत्र से जुड़े दस्तावेज देने का निर्देश दिया।

सीबीआई ने नहीं किया जमानत का विरोध
चारों आरोपी सीबीआई की जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किए गए थे। इसके अलावा सीबीआई ने इनकी जमानत का विरोध नहीं किया था। इससे पहले इन आरोपियों को एक लाख रुपये का जमानत बॉन्ड भरने पर अंतरिम जमानत दी गई थी।

19 अक्टूबर को होगी सुनवाई
अदालत के निर्देश के अनुसार, सीबीआई ने आरोपी के वकील को आरोप पत्र की हार्ड कॉपी प्रदान की, जिन्होंने इसके लिए आवेदन दायर किया था। मामला 19 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध किया गया है।



सत्येंद्र जैन को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका, दूसरे जज के पास नहीं ट्रांसफर होगा केस

सत्येंद्र जैन के मामलों की सुनवाई दूसरे जज के पास स्थानांतरित करवाने की याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। धन शोधन और भ्रष्टाचार का मामला है।

अदालत ने दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की उन आवेदनों को खारिज कर दिया। जिसमें उन्होंने धन शोधन व भ्रष्टाचार के मामलों की लिखित सुनवाई को विशेष न्यायाधीश विकास दुल के यहां से स्थानांतरित कर किसी अन्य न्यायाधीश के पास करने की मांग की थी।

राउज एवेन्यू कोर्ट के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजु बजाज चंदना ने कहा कि जैन की पूर्वाग्रह की आशंका में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहा कि पक्षपात या पूर्वाग्रह के आरोप लगाना आसान है, लेकिन उसे साबित करना मुश्किल है।

आगे कहा कि किसी जज की ओर से की गई कड़ी टिप्पणी यह निष्कर्ष निकालने का आधार नहीं हो सकती कि वह निष्पक्ष तरीके से सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा एक न्यायाधीश से अपेक्षा की जाती है कि वह बिना किसी डर और पक्षपात के कार्यवाही का संचालन करे।

सात मोहल्ला क्लीनिक पर कार्रवाई; डॉक्टर समेत स्टाफ को हटाया, फर्जी तरीक से लगा देते थे अटेंडेंस



परिवहन विशेष न्यूज
दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बुधवार को कहा कि मोहल्ला क्लीनिक में तैनात सात डॉक्टरों सहित 26 कर्मचारियों को कथित तौर पर अधिक उपस्थिति के कारण पैनल से हटा दिया गया है। अटेंडेंस सिस्टम में गड़बड़ी कर सही समय पर पंच कर दिया करते थे। सुबह आठ बजे के आस पास अटेंडेंस लगा दिया करते थे।

नई दिल्ली मोहल्ला क्लीनिक में तैनात डॉक्टरों व कर्मचारियों को काम पर देर से

आना मंहगा पड़ गया। स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने देरी से आने वाले कुछ डॉक्टरों और कर्मचारियों को काम से निकाल दिया है। ये कर्मचारी बायोमेट्रिक सिस्टम में छेड़-छाड़ कर अपनी हाजिरी सुबह 8 बजे व उसके आसपास लगा कर व्यवस्था को चकमा दे रहे थे। लोगों से मिली शिकायत पर भारद्वाज ने सात मोहल्ला क्लीनिक में तैनात डॉक्टरों व कर्मचारियों के हाजिरी की जांच कराई तब ये मामला निकलकर सबके सामने आया।

उन्होंने बताया कि लोग डॉक्टरों व कर्मचारियों के ड्यूटी पर देर से आने से काफी परेशान थे। जांच के दौरान बायोमेट्रिक सिस्टम में मिली गड़बड़ी के आधार पर इन डॉक्टरों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जनता को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस मामले को लेकर भारद्वाज ने बुधवार को प्रेसवार्ता में बताया कि दिल्ली में करीब 500 मोहल्ला क्लीनिक हैं। यहां प्रतिदिन लोगों को मुफ्त इलाज, मुफ्त दवाइयां दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि क्लीनिक के नियम अनुसार डॉक्टरों व अन्य कर्मचारियों को सुबह आठ बजे पहुंचना होता है और दोपहर दो बजे तक क्लीनिक में मौजूद रहना अनिवार्य होता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने आंकड़ों के जरिए बताया कि सात क्लीनिक के संबंध में शिकायत मिली थी। इनमें पांच क्लीनिक दक्षिण पश्चिम जिला और एक मोहल्ला क्लीनिक उत्तर-पूर्वी जिला में हैं, जबकि एक अन्य मोहल्ला क्लीनिक शाहदरा जिले में स्थित है। उन्होंने बताया कि इन सभी मोहल्ला क्लीनिकों से उन सभी डॉक्टरों और अन्य कर्मचारियों को निकाल दिया गया है, जिनके संबंध में मिली शिकायतें सत्य साबित हुई थी।

1984 सिख विरोधी दंगा : कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को 39 साल बाद राहत, सिखों की हत्या के मामले में बरी



राउज एवेन्यू कोर्ट ने कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुल्तानपुरी में तीन सिखों की मौत के मामले में बरी कर दिया।

नई दिल्ली। दिल्ली की एक कोर्ट ने 1984 में हुए सिख दंगों के दौरान सुल्तानपुरी इलाके में हत्या के मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को बरी कर दिया है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने तीन सिखों की मौत के मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार और अन्य लोगों को राहत दी। सुल्तानपुरी इलाके में छह लोगों की मौत हुई थी। सज्जन कुमार पर भीड़ को उकसाने का आरोप है।

सज्जन कुमार के ऊपर भीड़ को उकसाने का आरोप है। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज एम के नागपाल ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर आरोप साबित करने में नाकाम रहा। इससे पहले साल 2010 में सज्जन कुमार समेत अन्य लोगों पर कड़कड़डूमा कोर्ट ने सुल्तानपुरी में सिखों की मौत पर आरोप तय किए थे। इसके बाद उन्हें जमानत मिल गई। अभी सज्जन कुमार कोर्ट में उपक्रंद की सजा काट रहे हैं।

चंडीगढ़ पुलिस का अधिकारी बन उगाही करने वाला गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने चंडीगढ़ पुलिस के साइबर क्राइम यूनिट का डिप्टी सुपरिटेंडेंट बनकर लोगों को डरा धमका उगाही करने वाले एक जालसाज को गिरफ्तार किया है। उसने पांडव नगर से एक व्यक्ति को अगवा कर उनके रिश्तेदारों से पांच लाख की फिरोती वसूली थी। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह स्पेशल 26 फिल्म से प्रेरित होकर उगाही का रैकेट चला रहा था।

नई दिल्ली। चंडीगढ़ पुलिस के साइबर क्राइम यूनिट का डिप्टी सुपरिटेंडेंट बनकर लोगों को डरा धमका उगाही करने वाले एक जालसाज को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। उसने पांडव नगर से एक व्यक्ति को अगवा कर उनके रिश्तेदारों से पांच लाख की फिरोती वसूली थी। वह स्पेशल 26 फिल्म से प्रेरित होकर उगाही का रैकेट चला रहा था। पिछले तीन साल से वह दिल्ली पुलिस को चकमा देकर इधर उधर छिपकर रह रहा था जिसपर कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था।

अपहरण मामले में वंछित था आरोपित:
पुलिस
विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपित का नाम रामतेज कनौजिया है। वह जनता जीवन कैप, ओखला का रहने वाला है। 2020 में उसने खुद को साइबर क्राइम, चंडीगढ़ पुलिस का अधिकारी बताकर साथियों के साथ मिलकर पांडवनगर से एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया था।

उनके परिजनों से पांच लाख फिरोती मांगी गई थी। मंडावली थाने में इस मामले में मुकदमा दर्ज करवा दिया गया था। स्थानीय थाना पुलिस ने जांच के बाद कुछ आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। हवलदार अभिनव त्यागी को सूचना मिली कि मंडावली थाने के अपहरण मामले में वंछित अपहरणकर्ता रामतेज कनौजिया, हरकेश नगर, ओखला में छिपा हुआ



है। डीसीपी अमित गोयल, सहायक आयुक्त अरविंद कुमार, इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी व रॉबिन त्यागी के नेतृत्व में एसआइ नीरज, हवलदार नवीन, अमित, इंद्रजीत व अभिनव की टीम ने हरकेश नगर से रामतेज कनौजिया को गिरफ्तार कर लिया।

पिता के साथ मिलकर मैनपावर मैनेजमेंट कर रहा था काम
पुछताछ में रामतेज कनौजिया ने बताया कि उसने अपने सहयोगियों के साथ पांडव नगर से एक व्यक्ति का अपहरण कर उनके रिश्तेदारों से फिरोती की राशि वसूल थी। 2.5 लाख उसने अपने बैंक खाते में लिए थे। पुलिस ने छानबीन के बाद वारदात में शामिल अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन रामतेज कनौजिया मामला दर्ज होने के बाद से अपनी गिरफ्तारी से बच रहा था।

2011 में उसने पहले इलेक्ट्रीशियन के रूप में काम करना शुरू किया और बाद में फोन तकनीशियन के रूप में भी काम किया। 2020 में वह राहुल के संपर्क में आया और फिरोती के लिए अपहरण जैसे अपराध में शामिल हो गया। इन दिनों वह अपने पिता के साथ विदेश में मैनपावर मैनेजमेंट के कारोबार में काम कर रहा था।

बवाना की फैक्ट्री में आग लगने से सिलेंडर फटा, दो लोगों की मौत



राजधानी दिल्ली में एक फैक्ट्री में ब्लास्ट होने का मामला सामने आया है। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि लगभग छह लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। जानकारी के अनुसार दमकल विभाग को 0445 बजे बवाना औद्योगिक क्षेत्र में ओ-ब्लॉक सेक्टर-3 के प्लॉट नंबर-58 में आग लगने की सूचना मिली।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक फैक्ट्री में सिलेंडर में ब्लास्ट होने का मामला सामने आया है। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि लगभग छह लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंच गई।

आग लगने के बाद हुआ सिलेंडर में ब्लास्ट
जानकारी के अनुसार, दमकल विभाग को 04:45 बजे बवाना औद्योगिक क्षेत्र में ओ-ब्लॉक सेक्टर-3 के प्लॉट नंबर-58 में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर दमकल की छह गाड़ियां मौके पर पहुंची। इस दौरान आग लगने की वजह से 17:10 बजे सिलेंडर में ब्रिस्फोट हुआ, जिसमें लगभग कई लोग घायल हो गए। इस दौरान दो लोगों की मौत हो गई। बाकी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बीड़ी देने से किया इनकार तो उतार दिया मौत के घाट, चार नाबालिगों ने चाकू गोदकर की युवक की हत्या



गाजीपुर पेपर मार्केट के पास बीड़ी देने से इन्कार करने पर चार नाबालिगों ने चाकू से गोदकर की युवक की हत्या। मृतक की पहचान अरुण के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित नाबालिगों को दबोच लिया है। इस वारदात के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। हत्या की खबर फैलने के बाद सनसनी फैल गई।

नई दिल्ली। गाजीपुर पेपर मार्केट के पास बीड़ी देने से इन्कार करने पर चार नाबालिगों ने नशे में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर युवक की हत्या कर दी। हत्या से पांच दिन पहले ही युवक गुजरात से दिल्ली परिवार के पास छुड़ियां मनाने के लिए आया था। मृतक की पहचान अरुण के रूप में हुई है। गाजीपुर थाना पुलिस ने हत्या समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी भार के चारों नाबालिगों को दबोच लिया है। उनकी उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच है। मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बहराइच स्थित मसूदपुर गांव के रहने वाले अरुण अपने परिवार के साथ गाजीपुर पेपर मार्केट के पास मुल्ला कालोनी की श्रुगियों में रहते थे। परिवार में पिता, दो भाई व एक बहन है।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम
अरुण गुजरात की एक नमकीन फैक्ट्री में नौकरी करते थे। काफी समय के बाद वह छुट्टी लेकर परिवार के पास आए थे। मंगलवार शाम 6:45 बजे वह अपने छोटे भाई करण, दोस्त ऋतिक व मस्तराम के साथ मुल्ला कालोनी की छोटी दरिजद के पास से गुजर रहे थे। उसी दौरान चार नाबालिगों ने रोक लिया और अरुण से पीने के लिए बीड़ी मांगी। अरुण ने बीड़ी देने से मना कर दिया। इसपर आरोपित गुस्सा हो गए और गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर अरुण के पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। वारदात के बाद आरोपित फरार हो गए। घायल हालत में अरुण को उनके भाई व दोस्तों ने एलबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से आरोपितों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया। पकड़े गए आरोपित अपने पिता के साथ कबाड़ व मछली बेचने का काम करते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई, जसदीप सिंह, संदीप उर्फ काला जठेड़ी, वीरेंद्र प्रताप और जोगिंदर सिंह के बारे में जानकारी प्राप्त करने लिए एनआईए ने एक्स (पूर्व ट्वीटर) पर उनके नाम के साथ तस्वीरें साझा की हैं। साथ में एक व्हाट्सएप नंबर भी शेयर किया है।

नई दिल्ली। एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) ने हाल में एक ट्वीट किया है। एजेंसी ने कुछ तस्वीरें और उनके नाम साझा किए हैं। एजेंसी का कहना है कि यदि इन आरोपियों के बारे में किसी को कोई भी जानकारी है या किसी भी प्रकार की जानकारी मिलती है तो उसे विभाग को बताया जाय। एनआईए ने इसके लिए एक व्हाट्सएप नंबर भी शेयर किया है।

एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) द्वारा जारी की गई तस्वीरों में लॉरेंस बिश्नोई, जसदीप सिंह, संदीप उर्फ काला जठेड़ी, वीरेंद्र प्रताप और जोगिंदर सिंह शामिल हैं। ये सभी आरसी-38/2022/एनआईए/डीएलआई या आरसी-39/2022/एनआईए/डीएलआई में आरोपी हैं।



एनआईए का कहना है कि यदि इनकी संपत्ति और व्यवसाय या उनके सहयोगियों दोस्तों, रिश्तेदारों के नाम पर कोई संपत्ति है तो +91 7290009373 इस नंबर पर व्हाट्सएप करें।

लॉरेंस बिश्नोई
गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली व राजस्थान में कई केस दर्ज हैं। इनमें से सबसे ज्यादा केस पंजाब के विभिन्न जिलों में लंबित

चल रहे हैं। लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गों ने ही मशहूर पंजाबी गायक, रैपर और कांग्रेस नेता सिद्धू मुसेवाला की 29 मई की शाम गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी।

लॉरेंस बिश्नोई को 2021 में दिल्ली पुलिस ने मकोका और शस्त्र अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। इससे पहले उसे राजस्थान पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह तिहाड़ के जेल नंबर 8 में बंद था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि बिश्नोई ने जेल में रहते हुए अपने नेटवर्क को

इनाम है। अजमेर जेल में बंद और पंजाब के कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की कमान काला जठेड़ी ही संभाल रहा है। दिल्ली समेत 4 राज्यों में इस गैंग का वर्चस्व है। लॉरेंस बिश्नोई तब सुखियों में आया था, जब 2018 में उसने बॉलीवुड स्टार सलमान खान को मारने की धमकी दी थी। क्राइम ब्रांच टीम ने भनकपुर के पास एनकाउंटर में तीन बदमाशों को पकड़ लिया था। हालांकि संदीप उर्फ काला जठेड़ी भाग निकला था।

आगामी लोकसभा चुनावों की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है मोहन भागवत का उत्तर प्रदेश दौरा

अजय कुमार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का चुनाव से पहले होने वाला दौरा अहम है। इससे पहले सर कार्यवाह और सह सरकार्यवाह भी आएंगे। दरअसल, संघ की योजना 2024 के चुनाव से पहले सियासी नब्ज भांपने के साथ अगली तैयारी में जुट जाने की है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में सक्रिय हो गया है। आरएसएस की कार्यशैली से कोई अनभिज्ञ नहीं है। आरएसएस अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए सीधे तौर पर तो राजनीति में नहीं उतरता है, लेकिन उस नेता और पार्टी का समर्थन करने में उसे जरा भी गुरेज नहीं होता है जो उसकी विचारधारा को मानते हैं और उसे आगे ले जाने के संघ के प्रयास का हिस्सा बनते हैं। प्रत्येक चुनाव से पूर्व आरएसएस की सक्रियता बढ़ जाती है, यह स्वाभाविक तौर पर देखा गया है, लेकिन पहले और आज में विशेष अंतर यह नजर आ रहा है कि अबकी से संघ पदों के पीछे से नहीं खुलेआम इस बात की घोषणा कर रहा है कि संघ ने लोकसभा चुनाव में अपनी भूमिका तय कर ली है। लोकसभा चुनावों से पहले संघ गांव-गांव अपनी पहुंच बढ़ाने में जुट गया है। जब पूरा देश श्री गणेश उत्सव मना रहा होगा तब संघ प्रमुख मोहन भागवत 22 से 24 सितंबर तक लखनऊ में डेरा डालेंगे। इससे पहले 19-20 सितंबर को भाजपा और संघ के बीच समन्वय बैठक में चुनाव की तैयारियों को लेकर मंथन होगा। इस बैठक में सरकार्यवाह

दत्तात्रेय होसबाले, सह सरकार्यवाह अरुण कुमार की उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत का चुनाव से पहले होने वाला दौरा अहम है। इससे पहले सर कार्यवाह और सह सरकार्यवाह भी आएंगे। दरअसल, संघ की योजना 2024 के चुनाव से पहले सियासी नब्ज भांपने के साथ अगली तैयारी में जुट जाने की है। दरअसल, भले ही सीधे तौर पर राजनीतिक बातें नहीं करता है, लेकिन संघ के कोर एजेंडे भाजपा के लिए सियासी जमीन तैयार करने हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले इसी वजह से संघ प्रमुख मोहन भागवत और सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले का दौरा अहम माना जा रहा है। संघ अपनी हिंदुत्व की विचारधारा को खासतौर पर दलितों और आदिवासियों के बीच पहुंचाने की तैयारी में जुटा है, जहां अब तक उसकी बात नहीं पहुंच सकी है। दलित बस्तियों में सामाजिक समरसता के कार्यक्रम और भोज भी इसी का हिस्सा हैं। इसके अलावा संघ गांवों में अपनी विचारधारा का विस्तार कर रहा है, ताकि जिन गांवों तक उसकी बात नहीं पहुंच सकी है, वहां भी माहौल बनाया जा सके।

सूत्रों के मुताबिक लखनऊ में 19 और 20 को होने वाली बैठक में भाजपा की ओर से एक बजें से प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल मौजूद रहेंगे। बैठक में भाजपा और संघ के साथ मिलकर काम करने पर चर्चा होगी। खासतौर पर 26 सितंबर से शुरू हो रहे बुध सशक्तीकरण अभियान को लेकर चर्चा होगी। इसमें नए वोटर बनवाने के लिए हर बुध पर संघ के स्वयंसेवकों की भी मदद ली जाएगी। कुछ सूत्रों का कहना है कि यह बैठक इस लिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा आलाकमान निगम और आयोगों में



कार्यकर्ताओं का समायोजन करने जा रही है, इसमें संघ कार्यकर्ताओं का भी समायोजन करने की योजना है। इस बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य, डिप्टी ब्रजेश पाठक के अलावा सरकार के कुछ विभागों में मंत्रियों को भी बुलाया जा सकता है। इस दौरान संघ के आनुषांगिक संगठनों के साथ भी मंथन करके अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने वाली संस्थाओं की समस्याओं पर चर्चा होगी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम की बात की जाए तो वह 22 को लखनऊ पहुंचने के बाद प्रांत कार्यकारिणी, क्षेत्रीय बैठक इस लिए भी महत्वपूर्ण है कि भाजपा अलग-अलग सत्र में जिला, विभाग

प्रचारक और क्षेत्र प्रचारक मौजूद रहेंगे। इसमें वह यूपी में चल रहे संघ के कामों की समीक्षा करेंगे। संघ की योजना अब गांवों के साथ दलित और आदिवासी बस्तियों तक पहुंचने की है। बैठक का मुख्य एजेंडा यही है कि संघ के कार्यकर्ताओं को बताया जाए कि कैसे वह दलितों, आदिवासियों और नए गांवों तक पहुंचें। संघ के एक वरिष्ठ पदाधिकारी बताते हैं कि आरएसएस विचारधारा के जरिए भी नए लोगों तक पहुंचता है। इसमें सबसे पहले संघ अपने मुख्य काम शाखा विस्तार पर फोकस करेगा। कुछ लोग जो सीधे संघ की रोज लगने वाली शाखा में नहीं आ पाते, उन्हें सामाजिक कामों के जरिए जोड़ा जाएगा। दलितों और आदिवासियों के बीच पैठ बढ़ाने

के लिए वहां सामाजिक समरसता भोज, भजन संध्या, नशा मुक्ति के कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। संघ ने पहली बार घुमंतू जातियों पर भी फोकस किया गया है। इनमें नट, वनटंगिया और आदिवासियों के बीच भी नशा मुक्ति अभियान जैसे सोशल वर्क भी संघ करेगा। पहली बार आरएसएस ने हाल ही में खत्म हुए अपने ट्रेनिंग कैंपों में शताब्दी विस्तारक निकाले हैं। इन विस्तारकों के जिम्मे यही काम दिया गया है। वे रोज नए लोगों और नई जातियों से संपर्क करेंगे। संघ भले ही सीधे तौर पर बीजेपी के लिए काम नहीं कर रहा है, पर हिंदुत्व की लड़ाने वाली शाखा में नहीं आ पाते, उन्हें सामाजिक कामों के जरिए जोड़ा जाएगा। दलितों और आदिवासियों के बीच पैठ बढ़ाने

संदिग्ध परिस्थिति में व्यक्ति की मौत, सुसाइड नोट मिला

लोनी। ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र के पावी इलाके में लोकेश कुमार (42) की मंगलवार को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में उसने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताया है। वहीं, परिजनों का दावा है कि बीमार था। उपचार के दौरान मौत हुई है। पुलिस सभी बिंदु पर जांच कर रही है। लोकेश कुमार अपनी मां और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पावी इलाके में रहते थे। करीब एक वर्ष पूर्व लोकेश की पत्नी अपने बच्चों एक बेटा और दो बेटों को लेकर पति से अलग दिल्ली में रह रही हैं। पुलिस को परिजनों ने बताया कि लोकेश काफी समय से परेशान रहता था। कुछ दिनों पहले उसकी तबीयत भी खराब होने लगी थी। पास के एक डॉक्टर को दिखाया था। आराम नहीं आने पर लोकेश ने अपने एक रिश्तेदार को फोन पर अपने पास बुलाया। मंगलवार को अपने रिश्तेदार के साथ डॉक्टर के पास गया था। आराम नहीं मिलने पर डॉक्टर हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिवार के सदस्य लोकेश को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने लोकेश को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को वापस घर लाया गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मृतक की मां और रिश्तेदार ने बीमारी के चलते मौत होना बताया है। मौत के बाद किसी अन्य व्यक्ति को मृतक की जेब से सुसाइड नोट मिला। एसीपी ने बताया कि सुसाइड नोट की हैडराइटिंग मिलाई जाएगी। हो सकता है कि सुसाइड नोट पहले ही बना लिया हो। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारणों का पता चलेगा। पुलिस सभी एंगलों पर जांच कर रही है।

मेरा शव परिजनों को मत देना

सुसाइड नोट में लिखा कि मैं लोकेश कुमार (42) पुत्र शिवनाथ अपने होश हवास में हूं। यह सुसाइड नोट अपनी मर्जी से लिख रहा हूं, मैं अपनी मौत का जिम्मेदार खुद हूं। अपनी मर्जी से सुसाइड कर रहा हूं। इसमें किसी की कोई गलती नहीं है। मेरी मौत के बाद किसी को भी दोषी ठहराया ना जाए। इसके बाद उसने अपना आधार कार्ड नंबर लिखा है। सुसाइड नोट में आगे लिखा है कि मेरे मरने के बाद मेरा शव मेरे घर वालों के हवाले न किया जाए और न ही शव को जलाया जाए। शव को सड़ने और गलने दिया जाए। मेरे घर वालों को दिखाया भी न जाए। बस एक ही तमन्ना है मेरी, ये मानी जाए।

नीचे लटक रहे बिजली के तारों ने ले ली किशोर की जान

लोनी। कोतवाली क्षेत्र की आर्यनगर कॉलोनी में ऊर्जा निगम की बिजली लाइन ने 15 वर्षीय किशोर की जान ले ली। किशोर पंजर लगाए का काम करता था। शौचालय करने के दौरान करंट की चपेट में आ गया। आसपास के लोगों में ऊर्जा निगम के खिलाफ रोष है। परिजनों ने कानूनी कार्रवाई से इनकार कर दिया। आर्य नगर कॉलोनी में आसिफ (15) परिवार के साथ रहते थे। वह घर के पास नेहरू पार्क कॉलोनी में टायर पंजर की दुकान चलाते थे। आसपास के लोगों ने बताया कि सोमवार रात को वह दुकान पर बैठे थे। कुछ देर बाद वह दुकान के सामने सड़क किनारे शौचालय करने लगे। सड़क किनारे ऊर्जा निगम की बिजली की लाइन जा रही थी। लाइन बहुत नीचे थी। शौचालय के दौरान आसिफ को करंट लगा। करंट लगने पर वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को परिजनों ने दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टरों ने उन्हें उपचार के दौरान मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत के बाद आसपास के लोग एकत्रित हो गए। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। एसीपी रवि प्रकाश सिंह ने बताया कि मामलों में कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मिड-डे मील का दूध पीने से 20 बच्चे हुए बीमार, अस्पताल में भर्ती



बच्चों में पेट दर्द की शिकायत होने पर इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लोनी में भर्ती कराया गया है। बच्चों के बीमार होने की सूचना से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। जानकारी के मुताबिक इनमें 9 बच्चों की स्थिति सामान्य होने पर उनको घर भेज दिया गया है। बता दें कि पहले ही मिड-डे मिल खाने को लेकर शिकायत तहसील दिवस में हो चुकी है।

गाजियाबाद। लोनी के प्रेम नगर कॉलोनी स्थित प्राथमिक स्कूल में बच्चों को मिड-डे मील में दूध पीने के लिए दिया था। जिसके बाद एक के बाद एक बच्चों की तबीयत बिगड़ती चली गई। जानकारी के मुताबिक, लगभग 20 बच्चों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लोनी में भर्ती कराया गया है। बच्चों के बीमार होने की सूचना से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। अस्पताल में सभी बच्चों का उपचार चल रहा है। इनमें 9 बच्चों

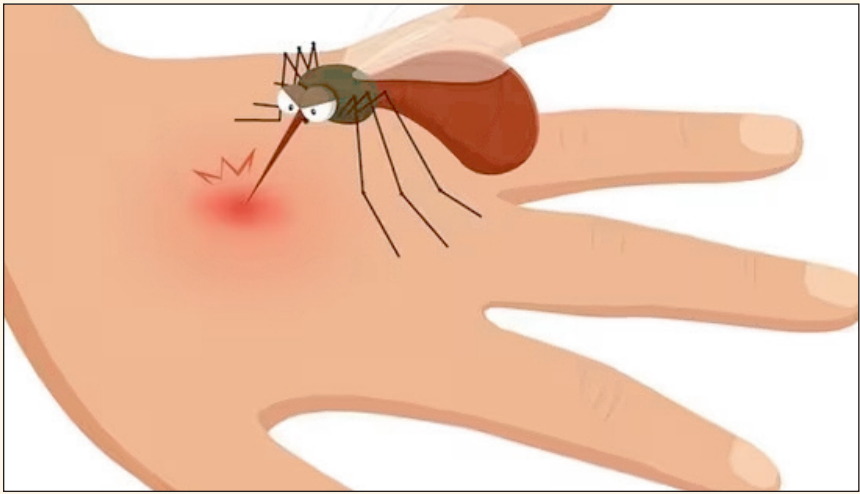
की स्थिति सामान्य होने पर उनको घर भेज दिया गया है। बच्चों को भर्ती करने के लिए गाजियाबाद से लोनी में एंबुलेंस बुलानी पड़ी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। दूध का सैंपल लिया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में भी स्थानीय लोगों ने मिड डे मील की शिकायत तहसील दिवस पर अधिकारियों से की थी। इसके बाद भी मिड-डे मील में सुधार नहीं किया गया। खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर नमूना भर रही है।

डरा रहा डेंगू का डंक, तीन दिन की मासूम बच्ची भी हुई शिकार; एक दिन में सामने आए इतने केस

बुधवार को 107 मरीजों की जांच करने पर तीन बच्चों समेत डेंगू के 14 नए केस मिले हैं। इनमें एक तीन दिन की नवजात बच्ची भी शामिल है। नवजात की हालत गंभीर है। डेंगू के नए केस वैशाली पटेलनगर इंदिरापुरमलालकुआं और विजयनगर में मिले हैं। विजयनगर के स्कूल में पढ़ने वाली किशोरी भी डेंगू पॉजिटिव मिली है।

गाजियाबाद। बुधवार को 107 मरीजों की जांच करने पर तीन बच्चों समेत डेंगू के 14 नए केस मिले हैं। इनमें एक तीन दिन की नवजात बच्ची भी शामिल है। नवजात की हालत गंभीर है। डेंगू के नए केस वैशाली, पटेलनगर, इंदिरापुरम, लालकुआं और विजयनगर में मिले हैं।

विजयनगर के स्कूल में पढ़ने वाली किशोरी भी डेंगू पॉजिटिव मिली है। जिला सर्विलांस अधिकारी डा. आरके गुप्ता ने बताया कि जुलाई से लेकर अब तक डेंगू के कुल 527 केस मिल चुके हैं। मलेरिया का एक नया केस मिलने के साथ कुल संख्या 20 हो गई है।



स्क्रब टायफस के 15 केस मिल चुके हैं। एक केस चिकनगुनिया का भी मिला है।

177 टीमां ने 147 क्षेत्रों के 4776 घरों का सर्वे किया। इस दौरान 129 घरों में एडीज मच्छर का लार्वा मिलने पर उसे तुरंत नष्ट कराया गया। तीन लोगों को नोटिस दिया गया है। 58 स्थानों पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया गया है। 87 क्षेत्रों में डेंगू व

मलेरिया से बचाव एवं सतर्कता के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इमरजेंसी में पहुंचे 144 मरीज, दो मृत घोषित

ओपीडी के साथ ही इमरजेंसी में बुखार और डायरिया के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दोनों सरकारी अस्पतालों की ओपीडी में बुधवार को पहुंचे 2999 से से बुखार के कुल

565 मरीज पहुंचे। जिला एमएमजी अस्पताल की ओपीडी में कुल 2164 मरीज पहुंचे।

सीएमएस डा. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि इनमें 362 बीमार बच्चे और बुखार के 391 मरीज पहुंचे। डेंगू के छह मरीजों समेत 134 भर्ती हैं। इमरजेंसी में गंभीर मरीजों की संख्या बढ़ने के साथ ही एक बेड पर दो और तीन मरीजों को भर्ती करना पड़ रहा है। संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल की ओपीडी में 835 मरीज पहुंचे। बुखार के 174 मरीजों में से 32 को भर्ती किया गया। सीएमएस डा. विनोद चंद पांडेय ने बताया कि डेंगू के तीन मरीजों समेत 62 मरीज भर्ती हैं।

जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में 92 मरीज पहुंचे। इनमें 45 वर्षीय अज्ञात महिला को मृत घोषित कर दिया गया। सीएमएस डा. मनोज कुमार चतुर्वेदी का कहना है कि रेलवे स्टेशन से ही मृत अवस्था में इमरजेंसी में लाया गया था। संयुक्त अस्पताल की इमरजेंसी में कुल 52 मरीज पहुंचे। दो दिन से भर्ती घुक्ना की रहने वाली 62 वर्षीय सुखबीरी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

प्रतिभागियों में कोर्टिसोल का स्तर एक समान होने की वजह से ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और बीमारी के प्रबंधन में कठिनाई आती है। यही कारण है कि टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए तनाव को कम करने के उपाय खोजना बहुत जरूरी है। राज्य सरकारों को अपने स्तर पर इस मुद्दे पर पहल करनी होगी। ऐसे बच्चे जो डायबिटीज के साथ बड़े हो रहे हैं, के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने दिशा-निर्देश देते हुए सभी राज्यों को स्पष्ट कहा है कि बच्चों को स्कूल में ऐसा माहौल मिले, जहां कि वे अपने आपको अलग-थलग नहीं समझें और प्रक्रिया समावेशी हो। यह बात अभी तक धरातल तक नहीं पहुंची है। दिशा-निर्देश दिल्ली से तो आ गए हैं, परंतु राज्य सरकारों ने इस पर अपनी कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी है। शिक्षकों का कोई परिचयात्मक प्रशिक्षण नहीं हुआ है और न ही स्कूलों ने अपनी ओर से कोई भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। जाहिर है, ऐसे में बच्चों में फैल रही डायबिटीज रोकना कठिन होगा।

अब तक जीवन-पद्धति से उपजी मानी जाने वाली बीमारी डायबिटीज या मधुमेह अब छोटे बच्चों में भी अपने पैर पसारने लगी है। जाहिर है यह परिस्थिति सरकार, समाज और परिवार, सभी के सहयोग की है। अपने पास-पड़ोस के किसी बच्चे को डायबिटीज हो तो उसे क्या और कैसे करना चाहिए, प्रस्तुत है इसी पर प्रकाश डालता यह लेख। मध्यप्रदेश के खरगौन जिले के मनीष (परिवर्तित नाम) को तब डायबिटीज होने की जानकारी मिली



मनोवैज्ञानिक को संदर्भित किया नहीं गया और स्कूल में मनीष खुद नहीं बताता चाहता था। लिहाजा, डेरे-सहमे मनीष ने स्कूल जाने से पहले और आने के बाद घर में ही इन्सुलिन लेनी शुरू कर

बच्चों में डायबिटीज और मानसिक रोग

दी। मनीष को पढ़ाई के लिए चार किलोमीटर दूर के गांव जाना पड़ता था। वह बहुत ज्यादा थकने लगा। कई-कई दिन वह स्कूल नहीं जाता था। अब वह बहुत शांत भी रहने लगा। यह पृष्ठने पर कि वह किसी को क्यों नहीं बताना चाहता था उसे किस बात का डर था, इसका कोई ठोस जवाब मनीष के पास नहीं था। तनाव बढ़ता गया और नवमी पास करते ही उसने गांव छोड़ दिया। वह अपने मामा के यहां आ गया और उसने यहां नए सिर से जिंदगी जीने की ठानी, लेकिन किसी को पता चल जाने के डर ने मनीष का पीछा यहां भी नहीं छोड़ा। मनीष दिन-रात इसी जद्दोजह्द में रहता कि किसी को पता न चले। छिपकर इन्सुलिन लेता। अपने गांव में तो सरकारी इन्सुलिन मिल जाती थी, लेकिन यहां तो इसकी गुणाइ भी खुद को करनी थी, क्योंकि नई गड़हल पर किसी को पता नहीं चलना चाहिए। पिता मजदूर और मां गृहिणी। दो छोटे भाइयों का खर्च अलग। कुल मिलाकर परेशानियों का अम्बार था। ऐसे में मनीष को परामर्श की महती आवश्यकता थी, जो उसे कहीं नहीं मिल रहा था। हम सभी जानते हैं कि जब एक बच्चे को डायबिटीज का पता चलता है, तो यह उनकी जीवन शैली और स्वास्थ्य में कई बदलाव लाता है। वह न केवल शारीरिक परिवर्तनों का

अनुभव करता है, बल्कि कुछ भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का भी अनुभव करता है। डायबिटीज वाले बच्चे अक्सर महसूस करते हैं कि वे अपने बाकी साथियों से अलग हैं। डायबिटीज की देखभाल के लिए अस्पताल का दौरा, संबंधित जोखिम और जटिलताओं की निगरानी करना और स्वस्थ प्रतिक्रिया प्रणाली को बनाए रखना बहुत भारी हो सकता है। इसलिए बच्चों में डायबिटीज और तनाव साथ-साथ चलते हैं। डायबिटीज के साथ जी रहा बच्चा, अवसाद जैसी स्थिति की ओर भी बढ़ सकता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि डायबिटीज वाले बच्चों में अवसाद विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है।

डायबिटीज वाले लगभग 15-20 प्रतिशत किशोर डायबिटीज से संबंधित अवसाद का अनुभव करते हैं। वे अक्सर उदासी, चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, सुस्ती, नींद की गड़बड़ी, भूख में बदलाव, कम प्रेरणा, भय, गतिविधियों में भागीदारी में कमी और आत्महत्या के बारे में विचार करते हैं। ऐसे में इन बच्चों और किशोरों को इस स्थिति से निकालने के लिए परामर्श की महती आवश्यकता रहती है। 'डायबिटीज बर्नआउट' मन को एक अवस्था है जहां कोई व्यक्ति रक्त-

शर्करा के स्तर को प्रबंधित करने से निराश महसूस करता है और दैनिक डायबिटीज प्रबंधन कार्यों को पूरा करके खिंचा हुआ महसूस करता है। यह अक्सर डायबिटीज से जुड़े अवसाद की ओर जाता है। बच्चों और युवाओं में अवसाद अक्सर खराब स्वास्थ्य का नतीजा होता है जैसे कि खराब डायबिटीज नियंत्रण, अस्पताल के दौरे में वृद्धि, कम आत्मविश्वास, जीवन की खराब गुणवत्ता और कम आत्म-प्रभावकारिता। डायबिटीज एक मनोवैज्ञानिक रूप से चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य स्थिति है। डायबिटीज के बच्चों के माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों के शिक्षकों के साथ भी लगातार संपर्क में रहें और उन्हें बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में बताते रहें। उन्हें स्कूल में डायबिटीज से संबंधित रणनीतियों के प्रबंधन के बारे में शिक्षक का मार्गदर्शन भी करना चाहिए। मनीष के मामले में ऐसा कुछ भी नहीं हुआ और वह अपने स्तर पर ही बीमारी से जुझते रहा। वह कहता है कि मेरी चचेरी बहन नहीं होती तो शायद कुछ और स्थिति बनती। उसने हर समय मेरी हिम्मत बनाए रखी। ऐसे में यह एक नीतिगत प्रश्न है कि खेलने-कूदने की उम्र में जो बच्चे डायबिटीज से जुझ रहे होते हैं, उनके मानसिक स्वास्थ्य से निबन्ध के लिए सरकारों ने कोई ठोस पहल क्यों नहीं की?

शोधकर्ताओं के मुताबिक, स्वस्थ लोगों में कोर्टिसोल हार्मोन दिन भर में प्राकृतिक रूप से ऊपर-नीचे होता रहता है।

सुबह बढ़ जाता है और रात में इसका स्तर गिरता है, लेकिन टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के साथ कोर्टिसोल प्रोफाइल दिन भर एक समान रहता है और उनमें ग्लूकोज का स्तर बहुत ज्यादा पाया जाता है। प्रतिभागियों में कोर्टिसोल का स्तर एक समान होने की वजह से ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और बीमारी के प्रबंधन में कठिनाई आती है। यही कारण है कि टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों के लिए तनाव को कम करने के उपाय खोजना बहुत जरूरी है। राज्य सरकारों को अपने स्तर पर इस मुद्दे पर पहल करनी होगी। ऐसे बच्चे जो डायबिटीज के साथ बड़े हो रहे हैं, के लिए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण नहीं हुआ है दिशा-निर्देश देते हुए सभी राज्यों को स्पष्ट कहा है कि बच्चों को स्कूल में ऐसा माहौल मिले, जहां कि वे अपने आपको अलग-थलग नहीं समझें और प्रक्रिया समावेशी हो। यह बात अभी तक धरातल तक नहीं पहुंची है। दिशा-निर्देश दिल्ली से तो आ गए हैं, परन्तु राज्य सरकारों ने इस पर अपनी कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी है। शिक्षकों का कोई परिचयात्मक प्रशिक्षण नहीं हुआ है और न ही स्कूलों ने अपनी ओर से कोई भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। जाहिर है, ऐसे में बच्चों में फैल रही डायबिटीज रोकना कठिन होगा।

प्रशांत कुमार दुबे

टाटा नेक्सन ईवी और एक्सयूवी 400 ईवी में कौन सी गाड़ी है बेटर, खरीदने से पहले जानिए सारे फीचर्स

होंडा कंपनी एलिवेट SUV के इलेक्ट्रिक वेरिएंट को ला रही है। बताया जा रहा है कि इसे मौजूदा एलिवेट के प्लेटफॉर्म पर ही बनाया जाएगा। फुल चार्ज में यह गाड़ी करीब 400 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम होगी।

2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल लॉन्च होने के बाद से EV सेगमेंट में जबरदस्त कंपटीशन बढ़ गया है माना जा रहा है कि यह मॉडल महिंद्रा के एक्सयूवी 400 EV को बढ़िया टक्कर दे सकता है.

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स चार पहिया वाहन के क्षेत्र में एक नामी कंपनी है कंपनी आए दिन मार्केट में नए प्रोडक्ट लॉन्च करती रहती है. कंपनी ने हाल में ही 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल को लॉन्च किया है. दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा की एक्सयूवी 400 ईवी (Mahindra XUV400 EV) मॉडल भी इलेक्ट्रिक सेगमेंट में मौजूद है. माना जा रहा है, कि इन दोनों गाड़ियों में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी. आइए दोनों मॉडल के फीचर्स और कीमत को जानते है.

बैटरी पैक
सबसे पहले हम बैटरी पैक की बात करें तो टाटा मोटर्स कंपनी ने अपने 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल के मिड रेंज वेरिएंट में 30 kwh का बैटरी पैक और लॉन्ग रेंज वेरिएंट में 40 kwh का बैटरी पैक दिया है. दूसरी तरफ महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने अपने एक्सयूवी 400 ईवी मॉडल में 34.5 kwh का बैटरी पैक है.

वेरिएंट
टाटा मोटर्स कंपनी ने अपने 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल के दो वेरिएंट मिड रेंज और लॉन्ग रेंज पेश किया है. वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने एक्सयूवी 400 ईवी के चार वेरिएंट एक्सयूवी 400 ec, एक्सयूवी 400 ईवी फास्ट

चार्जिंग, एक्सयूवी 400 ईएल फास्ट चार्जिंग, एक्सयूवी 400 ईएल फास्ट चार्जिंग डीटी है.

पावर
महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने एक्सयूवी 400 ईवी का मोटर करीब 150 बीएचपी का पावर और 310 एनएम का मैक्सिमम तक जनरेट कर सकता है. यह इंजन 8.3 सेकंड में करीब 100 km/h को टच कर सकता है. 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल के पावर की बात करें मिड रेंज वेरिएंट करीब 127 बीएचपी की पावर और 215 एनएम और लॉन्ग रेंज 143 बीएचपी की पावर और 215 एनएम का टॉक जनरेट करता है.

फीचर
महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी ने एक्सयूवी 400 ईवी के अन्य फीचर्स की बात करें तो इसमें 7 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है इसके अलावा क्रूज कंट्रोल, स्मार्ट वॉच कनेक्टिविटी, ई एसयूवी चार स्पीकर, वायरलेस फोन चार्जिंग जैसे फीचर्स दिए गए हैं. 2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल की फीचर्स पर नजर डाले तो कंपनी की तरफ से इसमें 12.3 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन चार्जर, 10.25 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, नौ स्पीकर जेबीएल साउंड सिस्टम जैसे कई फीचर्स दिए गए हैं.

कीमत
2023 टाटा नेक्सॉन ईवी मॉडल के कीमत की शुरुआत 14.74 लाख रुपये से होकर 19.94 लाख लाख रूपये तक जाती है. वहीं महिंद्रा XUV400 के कीमत की शुरुआत 19.19 लाख रुपये से होकर 19.39 लाख रुपये तक है।



किफायती बजट में आ रही टाटा नैनो ईवी, इन गजब के फीचर्स के साथ मिलेगी 300KM तक धाकड़ रेंज



नई दिल्ली। कार मार्केट में एक ही कंपनी है, जो ग्राहकों की जरूरत और मूड भली भांति से समझती है। यह कंपनी है देशी ऑटोमेकर कंपनी टाटा मोटर्स। टाटा इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रिक व्हीकल को लॉन्च करतेजा रही है। तो ऐसे में मारुति, महिंद्रा और हुंडई कंपनियों को यह बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। जिससे आमआमदी के लिए कंपनी सस्ती कीमत में नैनो ईवी को ला रही है। दरअसल आने वाले महीना में कंपनी पंच ईवी और हैरियर ईवी से लेकर कई भी कारें लॉन्च करने वाली है।

इस कढ़ी में एक खबर सामने निकलकर आ रही है कि कंपनी टाटा मोटर्स टाटा नैनो का भी इलेक्ट्रिक मॉडल लाने वाली है। जिससे आम आदमी के बजट में लाया जा रहा है।
टाटा नैनो ईवी में होगा ऐसा धांसू बैटरी पैक
टाटा नैनो में पावरफुल बैटरी होगी कार मालिक अच्छी रेंज देगी। इस ईवी में लिथियम आयन बैटरी देखने को मिल सकती है। Tata Nano EV में दो बैटरी पैक ऑप्शन देखने को मिलते हैं। पहला बैटरी 19 kWh से

250 Km की रेंज मिलेगी। और दूसरा बैटरी पैक 24 kWh है, जिसमें 315 Km की रेंज मिलेगी।
फीचर्स के मामले में होगी तगड़ी नैनो ईवी
टाटा नैनो ईवी में मिलने वाले फीचर्स की बात की जाये तो टाटा नैनो इलेक्ट्रिक कार में Android Auto & Apple Carplay की कनेक्टिविटी वाला 7 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, ब्लूटूथ और इंटरनेट कनेक्टिविटी, लेक्ट्रिक पावर स्टीयरिंग, एसी, फ्रंट पावर विंडो, मल्टी-इन्फोमेशन डिस्प्ले, 6 स्पीकर वाला साउंड

टोयोटा अर्बन क्रूजर टैसर कॉम्पैक्ट एसयूवी फेस्टिव सीजन में हो सकती है लॉन्च
मारुति सुजुकी और टोयोटा के बीच की साझेदारी अपने कुछ मॉडल एक दूसरे के साथ साझा करने की अनुमति देता है। इस सौदे का प्राथमिक लाभ अनुसंधान एवं विकास में लागत में कमी के साथ-साथ एक-दूसरे से तकनीकी विशेषज्ञता प्राप्त करना है। वर्तमान में उपलब्ध उत्पादों की बात करें तो इसमें बलेनो-ग्लैंजा, एर्टिगा-रुमियन, ग्रैंड विटारा-अर्बन क्रूजर हाइराइडर और इनविक्टो-इनोवा हाइक्रॉस शामिल हैं।
टोयोटा अर्बन क्रूजर टैसर जापानी निर्माताओं के बीच साझा किया जाने वाला पांचवां मॉडल होगा। टोयोटा लाइनअप से अर्बन क्रूजर (रीबैज्ड ब्रेज़ा) को बंद किए जाने के बाद सब-4एम एसयूवी सेगमेंट फिलहाल खाली है, जिसका मतलब है कि टोयोटा को रीबैज्ड प्रोक्स से काफी फायदा होगा। इससे टोयोटा अधिक सुलभ हो जाएगी और कंपनी के पोर्टफोलियो में 10 लाख रुपये से कम कीमत में एक एसयूवी होगी।
इसके फ्रंट डिजाइन में मामूली अपडेट होंगे जबकि पीछे का हिस्सा टोयोटा बैजिंग के साथ लगभग समान रहेगा। टोयोटा अर्बन क्रूजर टैसर संभवतः बिक्री बढ़ाने में मदद करेगा क्योंकि यह मारुति सुजुकी प्रोक्स पर आधारित एक सब-फोर-मीटर एसयूवी होगी। ग्लैंजा और इसके डीनर, बलेनो के बीच उल्लेखनीय अंतर के विपरीत, कॉम्पैक्ट बदलाव न्यूनतम होने की उम्मीद है। इसमें एक नई थ्रिल और थोड़ा संशोधित बंपर होगा लेकिन कोई अन्य संशोधन की योजना नहीं है।
सामान्य टोयोटा बैजिंग और रंग योजना में मामूली बदलाव के अलावा इंटीरियर में कोई बदलाव अपेक्षित नहीं होगा। फीचर्स में वायरलेस ऐपल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो कनेक्टिविटी के साथ फ्लोटिंग नौ-इंच का स्मार्ट प्ले प्रो+ टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पुश-बटन स्टार्ट, हेड-अप डिस्प्ले, 360-डिग्री कैमरा, ऑटोमैटिक ब्रकाइमेट कंट्रोल, क्रूज कंट्रोल, ईएसपी आदि शामिल किए जाएंगे। टोयोटा संस्करण 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड डुअल जेट पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध होगा जो 90 पीएस की पावर और 113 एनएम का टॉक उत्पन्न करता है, जिसे 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड AMT ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है। वहीं 1.0-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन 100 पीएस की पावर और 148 एनएम का टॉक उत्पन्न करता है, जिसे 5-स्पीड मैनुअल और पैडल शिफ्टर्स के साथ 6-स्पीड टॉक कनवर्टर ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है।
उम्मीद है कि टोयोटा प्रोक्स का सीएनजी वेरिएंट भी लॉन्च करेगी लेकिन यह बाद में आ सकता है। इसकी कीमत भी समान रहने की उम्मीद है जिसका मतलब है कि यह 8 लाख रुपये एक्स-शोरूम से शुरू होगी। इससे खरीदारों को टोयोटा लाइनअप से चुनने के लिए व्यापक रेंज मिलेगी।



टाटा मोटर्स भारतीय बाजार में अगले साल तक लॉन्च करेगी 3 नई इलेक्ट्रिक कारें

टाटा मोटर्स के पास निकट भविष्य में लॉन्च होने वाली इलेक्ट्रिक कारों की एक पूरी नई श्रृंखला है और यहाँ इनके बारे में जानकारी दी जा रही है टाटा मोटर्स वर्तमान में इलेक्ट्रिक सेगमेंट में अग्रणी है और अगस्त 2023 में इसकी 68.7 फीसदी की बाजार हिस्सेदारी है। कंपनी अपनी बढ़त बनाए रखने के लिए अगले साल के अंत से पहले 3 नई इलेक्ट्रिक कारें को लॉन्च करने की योजना बना रहा है। कंपनी ने हाल ही में नेक्सन इलेक्ट्रिक फेसलिफ्ट को अपडेटेड एक्सटीरियर और इंटीरियर के साथ लॉन्च किया है।

1. टाटा हैरियर ईवी
टाटा हैरियर ईवी के अगले साल की पहली छमाही में लॉन्च होने की उम्मीद है। एक्सटीरियर में नया डिजाइन किया गया फ्रंट फेसिया के साथ चौड़ाई को कवर करने वाली एक नई एलईडी लाइट बार, नया शट-ऑफ फ्रंट ग्रिल, नया फ्रंट बम्पर, नया हेडलैप

हाउसिंग, फ्रंट फेंडर पर .EV बैज, स्मार्ट डोर हैंडल, क्षैतिज एलईडी लाइट बार के साथ संशोधित टेल लैप, अपडेटेड रियर बम्पर आदि शामिल हैं। साथ ही बड़े टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और कनेक्टिविटी तकनीक की मौजूदगी के साथ इंटीरियर अपमार्केट होगा। हैरियर ईवी 500 किमी की अनुमानित ड्राइविंग रेंज देने में सक्षम होगी और यह Gen2 आर्किटेक्चर प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी।

2. टाटा पंच ईवी
टाटा पंच इलेक्ट्रिक के अक्टूबर 2023 में लॉन्च होने की उम्मीद है और इसकी शुरुआती कीमत 10 लाख रूपए से 12 लाख रूपए के बीच होने की उम्मीद है। एलईडी टेललाइट्स के साथ डीआरएल और हेडलैम्स का सॉल्ट डिजाइन समान रहने की उम्मीद है, साथ ही बॉडी पर फ्लेयर्ड-आउट आर्क्स, इंटीग्रेटेड स्पोइलर, ब्लैक क्लोडिंग आदि भी समान रहेंगे। टाटा पंच का इंटीरियर रैयूलर आईसीई वर्जन के समान सुविधाओं के सेट के साथ जारी रखा जाएगा। इसके अलावा कुछ नए अतिरिक्त फीचर्स भी मिलेंगे, जिसमें अपडेटेड 10.25

इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम और नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील शामिल होगा। इसमें लगभग 30kWh के बैटरी पैक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसकी रेंज लगभग 300 किलोमीटर के आसपास होगी।

3. टाटा कर्व ईवी
मौलिक रूप से डिजाइन की गई टाटा कर्व ईवी की अपेक्षित कीमत 15-20 लाख रुपये के बीच होगी। इसके अगले साल किसी समय लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। टाटा कर्व ईवी जेन 2 ईवी आर्किटेक्चर पर आधारित होगी, जो मौजूदा ज़िप्ट्रॉन तकनीक का अपग्रेड है। पूरी संभावना है कि फेसलिफ्टेड नेक्सन ईवी की तरह कर्व का प्रोडक्शन वर्जन भी दो वेरिएंट्स में उपलब्ध हो सकता है। जिसमें एक मीडियम रेंज और दूसरा लॉन्ग रेंज वर्जन होगा। आने वाले महीनों में कर्व के उत्पादन संस्करण के बारे में अधिक जानकारी सामने आने की उम्मीद है। ईवी संस्करण में 400-500 किमी तक की ड्राइविंग रेंज की पेशकश की उम्मीद है, हालांकि बैटरी/मोटर के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है।



नयी संसदीय यात्रा के दौरान उन्नत और आदर्श मूल्यों को अपनाया जाये



ललित गर्ग

निश्चित ही भारतीय

संसद के

अमृतकाल को

अमृतमय बनाने के

लिये संसद एवं

आजादी की 75

साल की

उपलब्धियों एवं

निरन्तर बढ़ रही

कमियों पर चर्चा के

साथ उन कमियों

एवं विसंगतियों को

दूर करने का

रोडमैप तैयार होना

चाहिए।

राय

वन विभाग की नागफनी

पल भर के लिए सोचें कि हिमाचल में विकास के रास्ते पर वनविभाग का डेरा न होता, तो गुजरनाकिन्ता आसान होता। मीडिया ने समाज की आंखों में पर्यावरण संरक्षण का सुरमा इस कदर डाल दिया है कि समाज पौगा पंडित बन गया है। अपने आसपास विकास दरखास्तों पर कभी वन संरक्षण कानून के नाखून देखना। अनुमतियों की हर फाइल पर वन विभाग की नागफनी इस कदर चढ़ गई है कि हर अनापित की कीमत इस राज्य को या तो अवसर गंगा कर चुकानी पड़ती या इसके बदले चढ़त चढ़ानी पड़ती है। कभी हालिया दौर में तीन परियोजनाओं का ही जिक्र कर लें। हेलिपोर्ट बनाने की महत्वाकांक्षी योजना के तहत हमीरपुर वरकड की जमीन के लिए सरकार को 65 लाख रुपए वन विभाग को देने पड़ेगे, जबकि केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरंगल परिसर के लिए तीस करोड़ की व्यवस्था करने का फरमान अब सियासत को आगे आने का अवसर दे रहा है। सरकारों को विकास के लिए अपने ही राज्य के जंगल से डरना पड़ता है। ‘एक तफतीश से गुजर के ही रह गया, तेरा वजूद इस जंगल की कैद में रह गया।’ जंगल हिमाचल के वजूद, हिमाचल की आवश्यकता और हिमाचल की महत्वाकांक्षा से सौदा करता है। यही स्थिति पड़ोसी पंजाब और हरियाणा में भिन्न है। वहां सार्वजनिक जमीन पर विकास के नक्शे परसे आम बनते हैं, जबकि हिमाचल में हर कदम पर वन विभाग की बुर्जिया हैं।

कल हो सकता है आपके गांव के शमशानघाट में जंगल उग आए या गांव के मैदान की निशानदेही में वन के बूटे खड़े हो जाएं। सड़कों के किनारे खड़े सूखे पेड़ तो देखें होंगे। यह सड़क तो वहां तक चौड़ी है, जहां जंगल का वारिस पेड़ खड़ा है। क्या पीडब्ल्यूडी में दम है कि इसे हटा पाए। किसी दिन गिरगा यही पेड़ आपकी दुकान पर या कोई वाहन इसके नीचे आकर टूटेगा, तो खबर बन जाएगी। खबरें तो इस बार भी बनीं। पड़ गिरे, लेकिन बदनाम हुईं जनत। पेड़ गिरते रहेंगे और बदनाम शिमला होता रहेगा, क्योंकि राजधानी के जंगल में मंगल की छूट नहीं है। इधर वन विभाग न पेड़ उगाता है और न ही इसकी रक्षा करता है, बल्कि इन्हें गिन लेता है। गिन लेता है जंगल वन पेड़ों को जो चीड़ के बीजों की वजह से कहीं भी उग आते हैं। जरा सोचें कि अगर हमीरपुर के जंगल से हेलिपोर्ट की तरह दस परियोजनाओं को जमीन चाहिए, तो अकेले फोरेस्ट डिपार्टमेंट की जेब में 390 लाख रुपए डालने पड़ेगे। परियोजनाएं इससे ज्यादा तादाद और आकार में हुईं, तो हमेशा उसी राज्य का खजाना खाली होगा, जिसने जंगल उगाए। हमने 70 फीसदी राज्य की जमीन को वन घोषित करके क्या हासिल किया। क्यों नहीं यह समझा या समझाया गया कि पड़ोसी पंजाब और हरियाणा अगर पांच प्रतिशत से भी कम जमीन को वनों के तहत लाकर केंद्रीय योजनाओं के चहेते बने, तो हिमाचल में जंगल का अर्थ अब विकास की जंजीर क्यों हो गया। प्रदेश के सत्तर लाख लोगों की आत्मनिर्भरता तथा विकास के लिए तीस प्रतिशत बची हुई जमीन हर मायने व मानदेई में अपर्याप्त है। हिमाचल में जंगल को बचाने की तहरीरें एक हद तक सही हैं, लेकिन प्रदेश की जनता वनवासी नहीं है। हमसे बेहतर स्थिति उन प्रदेशों की है जहां वनवासी रहते हैं। ओडिशा, महाराष्ट्र राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, गुजराखंड, ओडिशा, प. बंगाल और कर्नाटक की वनवासी आबादी के कारण 2006 का एकराएर एक्ट इन्हें जीने के कई अधिकार देता है। पट्टों के परिवर्तन, बंदोबस्त तथा कई सामुदायिक अधिकार इन राज्यों को प्राप्त हैं, लेकिन हिमाचल के ट्राइबल क्षेत्रों को छोड़ कर बाकी सारे जंगल केवल जंगल के कानून को बड़ा करते हैं। जाहिर तौर पर वनाधिकारों के कारण परिभाषित छूट जिन राज्यों की वनवासी या आदिवासी आबादी का उद्धार कर रही है, उस तरह के जंगल हिमाचल में नहीं हैं।



नरेन्द्र मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन

जीकर जो ऊंचाइयां एवं

उपलब्धियां हासिल की हैं, वे

किसी कल्पना की उड़ान से भी

अधिक है। अपने जीवन के

सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस

बात को सिद्ध किया है कि

साधारण पुरुष वातावरण से बनते

हैं, किन्तु महामानव वातावरण

बनाते हैं।

एक महान् कर्मयोद्धा के रूप में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनैतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, सामरिक और आर्थिक सशक्तता की छाप छोड़ते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने को तत्पर है, यह इतिहास के निर्माण का भाव है। निश्चित ही उनकी दृष्टि एवं दिशा भारत के नवशिल्प का आधार है। उन्होंने अंधेरों, अवरोधों एवं अक्षमताओं से संघर्ष करने की एक सार्थक मुहिम वर्ष 2014 में शुरू की। वे राजनीति में शुचिता के प्रतीक, अध्यात्म एवं विज्ञान के समन्वयक, कुशल राजनेता, प्रभावी प्रशासक, विलक्षण व्यक्तित्व के धनी हैं। उनके 73वें जन्म दिवस पर सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां सुनाई दे रही हैं, जिनमें नये भारत एवं आत्मनिर्भर भारत के अमृतमय स्वर गुंज रहे हैं। हमने हाल ही में उनके नेतृत्व में भारत की अध्यक्षता में हुई जी-20 के समिट में विश्व मंच पर भारत की अमिट छाप छोड़ी है। उनका कश्मिाई व्यक्तित्व एवं कृतित्व ही है कि नयी दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के घोषणापत्र पर आम सहमति बनी। वैश्विक विश्वास की कमी को पाटने तथा दुनिया में भरोसा विकसित करने की दिशा में यह एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। उनके जीवन का प्रत्येक पल नये आयाम एवं नयी दिशाएं उद्घाटित करता रहा है, हमने मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य देखा तो भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक ताकत बनने की ओर अग्रसर होते हुए देख रहे हैं। मोदी के नेतृत्व में रागर सरकार के 9 वर्ष पूरे हो गए। इस दौरान उनके अनेकों यशस्वी कीर्तिमानों एवं उपलब्धियों में जो दो विशेष उपलब्धियां भारत के हर नागरिक के मन को अधिक छूती हैं, उनमें पहली है दुनिया में ‘भारत का इकबाल’ स्थापित होना। दूसरी-देश के भीतर ‘भारत भी कर सकता है’ भावना का संचार होना। अर्थात ‘सब चलता है’ वाला दृष्टिकोण अब भूतकाल के त्रा्त में है।

नरेन्द्र मोदी ने उद्देश्यपूर्ण जीवन जीकर जो ऊंचाइयां एवं उपलब्धियां हासिल की हैं, वे किसी कल्पना की उड़ान से भी अधिक है। अपने जीवन के सार्थक प्रयत्नों से उन्होंने इस बात को सिद्ध किया है कि साधारण पुरुष वातावरण से बनते हैं, किन्तु महामानव वातावरण बनाते हैं। समय और



परिस्थितियां उनका निर्माण नहीं करती, वे स्वयं समय और परिस्थितियों का निर्माण करते हैं। साधारण पुरुष जहां अवसर को खोजते रहते हैं, वहीं मोदी जैसे महापुरुष नगण्य अवसरों को भी अपने कर्तृत्व की छेनी से तराश कर उसे महान् बनाते हैं। उम्र के जिस मोड़ पर व्यक्ति पूर्ण विश्राम की बात सोचता है, उस स्थिति में मोदी जैसे राष्ट्रनायक नव-निर्माण, नव-सुरण करने एवं दूसरों को प्रेरणा देने में अहर्निश लगे हैं। विरोध को समभाव से सहकर वे जिस प्रकार उसे विनोद के रूप में बदलते रहते हैं। निश्चित ही एक प्रेरक पृष्ठ हैं नरेन्द्र मोदी।

नरेन्द्र मोदी के प्रभावी एवं चमत्कारी नेतृत्व में हमने आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के बाद वास्तविक आजादी का स्वाद चखने लगे हैं, आतंकवाद, जातिवाद, क्षेत्रीयवाद, अलगाववाद की कालिमा धूल गयी है, धर्म, भाषा, वर्ग, वर्ण और दलीय स्वार्थों के राजनीतिक विवादों पर भी नियंत्रण हो रहा है। इन नवनिर्माण के पदचिन्हों को स्थापित करते हुए कभी हम मोदी के मुख से स्कूलों में शोचालय की बात सुनते हैं तो कभी गांधी जयन्ती के अवसर पर स्वयं झाड़ू लेकर स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करते हुए उन्हें देखते हैं। मोदी कभी विदेश की धरती पर हिन्दी में भाषण देकर राष्ट्रभाषा को गौरवान्वित करते हैं तो कभी ‘मेक इन इंडिया’ का शंखनाद कर देश को न केवल शक्तिशाली बल्कि आत्म-निर्भर बनाने की ओर अग्रसर करते हैं। नई खोजों, दक्षता, कौशल विकास, बौद्धिक संपदा की रक्षा, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन, श्रेष्ठ का निर्माण-ये और ऐसे अनेकों सपनों को आकार देकर सचमुच मोदीजी लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता को

सुदीर्घ काल के बाद सार्थक अर्थ दे रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी एक कर्मयोद्धा हैं, विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं उनके नेतृत्व में सरकार और सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक/एयर स्ट्राइक कर जबरदस्त पराक्रम का प्रदर्शन कर दिखाया है कि भारत की रक्षा शक्ति दुनिया के किसी विकसित देश से कम नहीं है। भारत जैसे राष्ट्रनायक नव-निर्माण, नव-सुरण करने एवं दूसरों को प्रेरणा देने में अहर्निश लगे हैं। विरोध को समभाव से सहकर वे जिस प्रकार उसे विनोद के रूप में बदलते रहते हैं। निश्चित ही एक प्रेरक पृष्ठ हैं नरेन्द्र मोदी।

मोदी की जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के एक छोटे से शहर में हुआ था। वे ‘अति पिछड़ा वर्ग’ परिवार से आते हैं, जो समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों में से है। वह बेहद गरीब, लेकिन प्यार देने वाले परिवार में पले बड़े। जीवन की शुरुआती कठिनाइयों ने न केवल उन्हें कड़ी मेहनत के मूल्य को सिखाया बल्कि उन्हें आम लोगों के कष्टों की भी अवगत कराया। आम जन

की गरीबी ने उन्हें बहुत कम उम्र में ही लोगों और राष्ट्र की सेवा में डूबने के लिए प्रेरित किया। अपने प्रारंभिक वर्षों में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएएसएस) के साथ काम किया, जो राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित एक राष्ट्रवादी संगठन है और बाद में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर भारतीय जनता पार्टी के संगठन में काम करने के लिए खुद को राजनीति में समर्पित किया।

नरेंद्र मोदी विश्व के चर्चित एवं शिखर नेता होकर भी जन-जन के एवं जमीनी नेता हैं और वे आमजन के बीच जाने, उनकी समस्याओं को हल करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने के लिए समर्पित हैं। लोगों के बीच रहने, उनके साथ खुशियाँ साझा करने और उनके दुखों को दूर करने से ज्यादा कुछ भी उनके लिए सार्थक नहीं है। जमीनी स्तर पर तो उनका लोगों के साथ एक मजबूत व्यक्तिगत जुड़ाव तो है ही साथ ही साथ सोशल मीडिया पर भी उनकी मजबूत उपस्थिति है। राजनीति से परे नरेंद्र मोदी को लिखना पसंद है। उन्होंने कई कविता और कई किताबें लिखी हैं। उनके विचारों में राष्ट्रवादी, सामाजिक एवं व्यक्तिगत उन्नयन के क्रांति-बीज मिलते हैं। मन की बात कार्यक्रम में वे राष्ट्र उन्नयन, सामाजिक-क्रांति, आडम्बरप्रधान विकृत प्रवृत्तियों को बदलने एवं समाज-राष्ट्र-निर्माण में उल्लेखनीय कार्य करने के उपाय निर्दिष्ट करते हैं। वे अपने दिन की शुरुआत योग से करते हैं। योग उसके शरीर और दिमाग को मजबूत बनाता है और तेज गति चलने वाली दिनचर्या में शांति का भाव पैदा करता है। वे प्रकृति प्रेमी हैं।

नरेन्द्र मोदी विश्वनेता के रूप में प्रतिष्ठित

भारत एक बार फिर क्रिकेट का ‘एशिया चैम्पियन’ बना है। करीब 5 साल बाद यह 8वां सरताज टीम इंडिया के हिस्से आया है, लिहाजा अंतरराष्ट्रीय खिताब का सूखा समाप्त हुआ है। टीम इंडिया ने अपने हुनर, परिश्रम और जीत के जज्बे के साथ यह खिताब हासिल किया है। फाइनल मैच में भारत ने श्रीलंका को मात्र 50 रनों पर ढेर कर दिया और 263 गेंदें शेष रहते यह टूर्नामेंट जीत लिया। एशिया कप में यह श्रीलंका की सबसे करारी हार रही, सबसे छोटा स्कोर बन पाया और टीम इंडिया सर्वाधिक 10 विकेट से चैम्पियन बनी। इस ऐतिहासिक जीत में सभी खिलाड़ियों के हिस्से की धूप है, लेकिन जीत के नायक रहे-मुहम्मद सिराज। इस नौजवान गेंदबाज की ऐसी सुनामी आई कि एक ही ओवर में श्रीलंका के अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज दह गए। कुल 4 बल्लेबाज तो ‘शून्य’ पर ही आउट हुए। सिराज ने 21 नर देकर 6 विकेट धराशायी किए। एक ही ओवर में 4 विकेट का करिश्मा करने वाले सिराज प्रथम भारतीय गेंदबाज हैं। पहली बार ही 16 गेंदों पर 5 विकेट उखाड़े।

यह वाकई करिश्माई और सबसे तेज उपलब्धि है। एकदिनी क्रिकेट में सबसे तेज 50 विकेट हासिल करने वाले सिराज विश्व में ऐसे दूसरे गेंदबाज हैं। कीर्तिमान श्रीलंका के अजंथा मैडिसन के नाम है। अब सिराज दुनिया के सर्वश्रेष्ठ 3 गेंदबाजों की जमात में शामिल भी होंगे। बेशक श्रीलंका विश्व चैम्पियन टीम रही है और अब भी अपने ‘एशिया खिताब’ का बचाव कर रही थी, लिहाजा ऐसी ताकतवर टीम के मुकाबले यह एकतरफा जीत विश्व कप से पहले टीम इंडिया के लिए बेहद शुभ संकेत है। एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप 5 अक्टूबर से भारत में ही खेला जाना है। अब टीम इंडिया बेहतर फॉर्म और उत्साह में है।

टीम दमदार लग रही है। इसका भी मनोवैज्ञानिक असर पड़ता है।

संपादक की कलम से

एशिया चैंपियन भारत

चूँकि ये खिलाड़ी लंबे अंतराल से साथ-साथ खेल रहे हैं, लिहाजा उम्मीद की जा रही है कि 1983 इंडिया के 2011 के बाद तीसरी बार भारत विश्व चैम्पियन भी बन सकता है। यह आकलन विश्व चैम्पियन रहे बल्लेबाज सुनील गावस्कर का है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। सिराज, कुलदीप यादव और हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी ने कहर बरपाते हुए साबित किया है कि वे अपनी सटीक गेंदबाजी से किसी भी देश की टीम को धराशायी कर सकते हैं। ‘चाइनामैन स्पिनर’ कुलदीप ने पाकिस्तान की आधी टीम को आउट कर, सुपर 4 में श्रीलंका के 4 विकेट लेकर उनके हिस्से से जीत छीन ली थी। उन्हें ‘प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट’ चुना गया है और 15,000 डॉलर के नकद इनाम से नवाजा गया है। सवाल यह भी सहज है कि सिराज की गेंदबाजी में ऐसा क्या हुनर है कि सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज मुहम्मद शमी सरीखे खिलाड़ी को ‘प्रतीक्षारत गेंदबाज’ के तौर पर बिठाया गया है।

सिराज को ‘विकेट की गारंटी’ मान कर सबसे पहले चयन किया जाता है। दरअसल उन्होंने विख्यात गेंदबाज बुमराह के साथ ऐसी आउटस्विंग गेंदबाजी की कि धाकड़ बल्लेबाज भी चकमा खा गए, उनकी गिल्लियां बिखर गईं, नतीजतन श्रीलंका को सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। सिराज ने अपनी गेंदबाजी के कोण, उसकी गति, दिशा और नियंत्रण को भी खूब तराशा है, लिहाजा आज वह विश्व विख्यात गेंदबाजों की जमात में खड़े हैं। सिराज ने पुराने वेस्टइंडीज के तुफानी गेंदबाजों की याद ताजा कर दी। गेंदबाजी के अलावा, टीम इंडिया की बल्लेबाजी में विराट कोहली, शुभमन गिल और केएल राहुल ने एशिया कप में शतक जड़े। रोहित शर्मा, ईशान किशन, पंड्या, अक्षर पटेल आदि ने बेहतर बल्लेबाजी कर संतुलन और शक्ति की व्याख्याएँ कीं।



क्रूड के तेवर से फिर बढ़ी महंगाई की चिंता

सरकारी तेल कंपनियां ऊंची कीमत पर खरीद रही हैं कच्चा तेल

आगामी आम चुनाव से पहले एक बार फिर देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कमी की संभावना पर बादल मंडरा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वैश्विक स्तर पर आपूर्ति की नई चिंताएं भी सामने आ रही हैं। पढ़िए क्या है पूरी खबर।

नई दिल्ली: आगामी आम चुनाव से पहले देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कमी की संभावना पर फिर से बादल घिरने लगे हैं। वजह यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में फिर से ना सिर्फ भारी अस्थिरता पैदा हो रही है बल्कि इसकी आपूर्ति को लेकर भी वैश्विक स्तर पर नई चिंताएं पैदा हो रही हैं।

तेल कंपनियां ऊंची कीमत पर खरीद रही हैं कच्चा तेल
पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि सितंबर का महीना लगातार तीसरा महीना है जब सरकारी तेल कंपनियां पिछले महीनों के मुकाबले ज्यादा कीमत पर कच्चे तेल की खरीद कर रही हैं।

सितंबर, 2023 में अभी तक तेल कंपनियों ने 92.69 डॉलर प्रति बैरल की दर से कच्चे तेल की खरीद की है। पिछले दिनों नवंबर, 2022 के बाद पहली बार क्रूड ने 95 डॉलर प्रति बैरल को पार किया था और 20 सितंबर को इसकी कीमत 92.3 डॉलर प्रति बैरल रही है।

किस महीने कितने डॉलर की रेट पर हुई खरीद
अगस्त, 2023 में 86.43 डॉलर, जुलाई में 80.37 डॉलर प्रति बैरल और जून में 74.93 डॉलर की दर से खरीद की है। शोध एजेंसी गोल्वैन सैंक ने कहा है कि इस साल कच्चे तेल की कीमत 105 डॉलर तक जा सकती



है। तेल कंपनियों ने खुदरा दर में अंतिम बार संशोधन 06 अप्रैल, 2022 को किया था। उस माह क्रूड की कीमत 103 डॉलर था जो जुलाई, 2022 में बढ़ कर 116 डॉलर तक गया था लेकिन उसके बाद इसमें लगातार गिरावट का रूख बना हुआ था। दिसंबर, 2022 में भारतीय तेल कंपनियों ने महज 78 डॉलर की दर से क्रूड की खरीद की थी। इसके बावजूद ग्राहकों को कोई राहत तेल कंपनियों ने नहीं दी थी। दो दिन पहले जारी मासिक आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में आरबीआई ने भी कहा है कि सऊदी अरब और रूस की

तरफ से क्रूड उत्पादन में कटौती को जारी रखे रहने से कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रह सकती हैं। अमेरिकी डॉलर की बढ़ी हुई मांग से भी कच्चा तेल महंगा हो रहा है। **महंगाई पर पड़ सकता है असर**
कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की वजह से महंगाई पर असर पड़ने की संभावना से भी आरबीआई इनकार नहीं कर रहा है। अगस्त, 2023 में खुदरा महंगाई की दर जुलाई, 2023 में दर्ज 7.44 फीसद के मुकाबले घट कर 6.83 फीसद हो गई है। महंगाई की दर अभी भी आरबीआई की तरफ से तय लक्षित सीमा (चार फीसद) से काफी ज्यादा है। ऐसे में

कच्चे तेल की कीमतों में नई वृद्धि से महंगाई थामने की कोशिशें मुश्किल में पड़ सकती हैं। अगर महंगाई की दर नीचे नहीं आती है तो फिर ब्याज दरों को बढ़ाने का दबाव आरबीआई पर बढ़ सकता है। अमेरिका के फेडरल बैंक की बैठक चल रही है और इसमें ब्याज दरों को स्थिर रखे जाने के आसार हैं। कोटक सिक्युरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट रविंद्र राव का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों के कई महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद अब नजर अमेरिका के फेडरल बैंक पर है। ऐसा लगता है कि अमेरिका का केंद्रीय बैंक नवंबर या दिसंबर में ब्याज दरों में एक और वृद्धि के विकल्प को खुला रखे हुए है।

इनसाइड

डिजिटल पर्सनल लोन के लिए अप्लाई करें और मिनटों में कैश पाएं

इंस्टा पर्सनल लोन के जरिये आप पैसे की सख्त जरूरत पड़ने पर बस कुछ ही मिनटों में लोन की रकम पा सकते हैं। ग्राहक अब लोन पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और बस कुछ ही विलक के साथ मिनटों में अपने खाते में लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं। बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन की पेशकश करता है जो ग्राहकों के लिए प्री-अप्रूव्ड लोन ऑफर है।

नई दिल्ली। मौजूदा दौर को तेज रफ्तार, सुविधाओं और डिजिटल साधनों के उपयोग के लिए जाना जाता है, और ऐसे माहौल में लोगों के आर्थिक सहायता प्राप्त करने के तरीकों में भी बड़े पैमाने पर बदलाव आया है। डिजिटल पर्सनल लोन की शुरुआत सचमुच ऐसे लोगों के लिए एक वरदान की तरह है, जिन्हें अचानक सामने आने वाले खर्चों को पूरा करने के लिए तुरंत पैसों की जरूरत होती है। ग्राहक अब लोन पाने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और बस कुछ ही विलक के साथ मिनटों में अपने खाते में लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं। बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन की पेशकश करता है, जो ग्राहकों के लिए प्री-अप्रूव्ड लोन ऑफर है। सचमुच यह एक बेहतरीन समाधान है, जिसे मुसीबत की घड़ी में अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर हालात को अच्छी तरह संभालने और तुरंत मदद पाने के लिए डिजाइन किया गया है। प्री-अप्रूव्ड ऑफर के जरिये आप तुरंत, आसानी से और अधिक सुविधाजनक तरीके से लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं। मौजूदा ग्राहकों को 12,76,500 रुपये तक का डिजिटल पर्सनल लोन मिल सकता है, जबकि नए ग्राहक सिर्फ अपने मोबाइल नंबर और OTP की मदद से अपनी प्री-असाइन्ड लोन लिमिट के बारे में तुरंत जान सकते हैं।

बजाज फिनिसर्व इंस्टा पर्सनल लोन पाने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें:
बजाज फिनिसर्व वेबसाइट के इंस्टा पर्सनल लोन पेज पर जाएं।
ऑनलाइन फॉर्म खोलने के लिए, उस पेज पर चेक ऑफर बटन पर क्लिक करें।
अब आपको अपनी स्क्रीन पर प्री-असाइन्ड लिमिट के साथ एक ऑफर दिखाई देगा।
आपके पास इस ऑफर को स्वीकार करने या कम रकम चुनने का विकल्प होता है।
अपनी सहूलियत को देखते हुए लोन चुकाने की समय-सीमा चुनें।
प्रोसीड पर क्लिक करके ऑनलाइन फॉर्म को पूरा करें।
यहां बताया गया है कि, आप कैसे अपने इंस्टा पर्सनल लोन के लिए EMI की रकम के बारे में जान सकते हैं:
आप इंस्टा पर्सनल लोन EMI कैलकुलेटर की मदद से EMI और लोन चुकाने की समय-सीमा तय कर सकते हैं और फिर आप अपने बजट के हिसाब से लोन की रकम चुन सकते हैं। आप लोन चुकाने की अपनी क्षमता के अनुसार EMI की रकम को घटा या बढ़ा सकते हैं।



एशियन डेवलपमेंट बैंक ने भारत के विकास दर अनुमान को घटाकर 6.3 फीसद किया, जानें वजह

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने आज भारत की विकास दर के अपने पिछले अनुमान को थोड़ा कम कर दिया। निर्यात में कमी और अनियमित वर्षा के कृषि उत्पादन पर संभावित प्रभाव को देखते हुए एशियाई विकास बैंक ने यह बदलाव किया है। भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम जीडीपी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

नई दिल्ली। एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) ने भारत के विकास दर को लेकर, पहले किए अपने अनुमानों को थोड़ा कम कर दिया है। एडीबी ने यह संशोधन निर्यात में कमी और कृषि उत्पादन पर अनियमित वर्षा के संभावित प्रभाव के कारण की है।

कितना कम किया अनुमान ?
एडीबी ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की विकास दर के अनुमान को अपने पहले के 6.4 प्रतिशत से थोड़ा कम करके 6.3 प्रतिशत कर दिया है। बैंक की ओर से जारी सितंबर 2023 के आउटलुक के मुताबिक उपभोक्ता विश्वास में सुधार होगा, और सरकारी पूंजीगत व्यय में बड़ी वृद्धि सहित निवेश से भारत को इस वित्तीय वर्ष के बचे हुए महीने और आगले वित्तीय वर्ष में भारतीय विकास को मजबूत घरेलू खपत से



बढ़ावा मिलेगा। **पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की गति से बढ़ा भारत**
हाल ही में भारत सरकार की ओर से जारी जीडीपी के आंकड़ों के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ी थी जो सेवाओं में मजबूत वृद्धि और सार्वजनिक निवेश तथा निजी क्षेत्र को बैंक लोन के कारण बढ़ते निवेश को दर्शाता है। **अंतरराष्ट्रीय तनाव से भारत पर पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव**

एडीबी ने कहा कि नकारात्मक जॉखिम अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक तनाव से उत्पन्न आर्थिक अनिश्चितता वैश्विक खाद्य कीमतों में तेजी से वृद्धि कर सकते हैं। इसके अलावा खरीफ सीजन (जुलाई-अक्टूबर) की कटाई के समय या अक्टूबर-अप्रैल रबी सीजन के दौरान झटके, कृषि विकास को और प्रभावित कर सकते हैं। **क्या कहता है आरबीआई का अनुमान ?**
आरबीआई के लेटेस्ट अनुमान के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2023-24 में

क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते समय ऐसे बचाएं पैसे, कटौती किए बिना कर सकते हैं बचत

खरीदारी करते वक्त हम यह हमेशा ध्यान रखते हैं कि हमें कम कीमत में अच्छा से अच्छा सामान मिल सके। हममें से अधिकांश लोग क्रेडिट कार्ड से बिल का भुगतान करते हैं। अगर आप सही क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं आप कटौती किए बगैर बचत कर सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि आप क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करते समय पैसे कैसे बचा सकते हैं।

नई दिल्ली। बचत एक ऐसा शब्द है जिसे सुनकर अच्छा लगता है लेकिन जब बचत करने की बारी आती है तो कुछ लोग ही बचत कर पाते हैं। हम जब भी शॉपिंग करने जाते हैं तो हम वहां से सामान खरीदते हैं जहां से हमें सबसे अच्छी डील मिल रही हो। शॉपिंग करने के बाद हममें से ज्यादातर लोग बिल की पेमेंट क्रेडिट कार्ड से करते हैं। आज हम आपको यही बताएंगी की आप अपने क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते वक्त कैसे बचत कर सकते हैं। **कटौती किए बिना कर सकते हैं बचत**
अगर आप एक सही प्रकार का क्रेडिट कार्ड चुनते हैं तो आप किसी भी चीज में कटौती किए बिना अपनी बचत को अधिकतम कर सकते हैं।



कई बैंक ग्राहकों को लुभाने के लिए उन्हें 0 फीसदी का वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर), कम ब्याज दरें, न्यूनतम राशि और बोनस अंक की पेशकश करते हैं। **इस तरह क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग करते वक्त करें बचत**
सही क्रेडिट कार्ड चुनें: जब आप क्रेडिट कार्ड के लिए अप्लाई करते हैं तो आप को अपने खर्च

को समझना जरूरी है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से सबसे अच्छा क्रेडिट कार्ड चुनने से पहले अपने खर्च करने के पैटर्न पर नजर रखें। विभिन्न ग्राहकों के लिए बैंक विभिन्न क्रेडिट कार्ड की पेशकश करते हैं। हर दिन के खर्च के लिए क्रेडिट कार्ड का उपयोग करें: किराने का सामान या घरेलू कामों की खरीदारी जैसे दैनिक खर्चों के लिए अपने

तजिंदर गुप्ता बने भेज के निदेशक (पावर), 34 वर्षों का है अनुभव



भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने आज घोषणा की कि तजिंदर गुप्ता को आज 20 सितंबर से निदेशक (पावर) के रूप में नियुक्त किया गया है। बीएचईएल में शामिल होने से पहले तजिंदर गुप्ता एनटीपीसी लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक थे। वह 1989 में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी अधिकारी के रूप में एनटीपीसी में शामिल हुए और उनके पास भारत के विभिन्न राज्यों में परियोजना प्रबंधन और बिजली परियोजनाओं को चालू करने की अवधारणा में 34 वर्षों का अनुभव है।

नई दिल्ली। सरकारी इंजीनियरिंग फर्म, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) ने आज कहा कि तजिंदर गुप्ता (Tajinder Gupta) ने आज यानी 20 सितंबर से निदेशक (पावर) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

बीएचईएल ने एक बयान में कहा कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के बोर्ड में निदेशक के रूप में अपनी नियुक्ति पर, 56 वर्षीय तजिंदर गुप्ता ने सार्वजनिक क्षेत्र के इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यम के निदेशक (पावर) के रूप में कार्यभार संभाला है।

तजिंदर गुप्ता को जानिए
तजिंदर गुप्ता ने बिड़ला इस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज

इंफोसिस ने एनवीडिया के साथ मिलाया हाथ, एनवीडिया AI के जरिए इन्फोसिस अपने 50 हजार कर्मचारियों को करेगी ट्रेड

आईटी कंपनी इंफोसिस अब अपने ग्राहकों को अधिक सुविधा प्रदान करने के लिए एआई का उपयोग कर रही है। इसके लिए इन्फोसिस चिप निर्माता एनवीडिया की एआई प्रौद्योगिकियों पर 50000 कर्मचारियों को प्रशिक्षित और प्रमाणित करने की योजना बना रही है। जानिए इन्फोसिस कहां करेगी एनवीडिया की एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और कैसे मिलेगा ग्राहकों को फायदा।

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस (Infosys) ने ग्राहकों की सुविधा के लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का सहारा लेने जा रही है। इन्फोसिस ने विभिन्न उद्योगों में अपने ग्राहकों को विशेषज्ञता देने के लिए चिप मेकर कंपनी एनवीडिया एआई (NVIDIA AI) टेक्नोलॉजी पर 50,000 कर्मचारियों को प्रशिक्षित और प्रमाणित करने की योजना बनाई है। इन्फोसिस और एनवीडिया ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट में कहा कि इन्फोसिस, एक एनवीडिया एक्सीलेंस केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है, जहां वह अपने 50,000 कर्मचारियों को एनवीडिया एआई तकनीक पर प्रशिक्षित और प्रमाणित करेगी ताकि विभिन्न उद्योगों में ग्राहकों के अपने विशाल नेटवर्क को जेनरेटिव AI विशेषज्ञता प्रदान की जा सके।

इन्फोसिस कहां लेगी एआई की मदद ?
इन्फोसिस ग्राहकों को बिजनेस संचालन, बिक्री और विपणन के लिए जेनरेटिव एआई एप्लिकेशन बनाने में मदद करने के लिए हाईवेयर और एंटरप्राइज-ग्रेड सॉफ्टवेयर सहित पूर्ण-स्टैक एनवीडिया जेनरेटिव एआई प्लेटफॉर्म

का उपयोग करेगी। ये पार्टनरशिप के बाद इन्फोसिस टोपाज में मॉडल, टूल, रनटाइम और जीपीयू सिस्टम का एनवीडिया एआई एंटरप्राइज इकोसिस्टम लाएगा। यह सर्विस, समाधानों और प्लेटफॉर्म का एक एआई-पहला सेट जो जेनरेटिव एआई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके व्यावसायिक मूल्य में तेजी लाता है।

यूजर्स को क्या होगा फायदा ?
इन्फोसिस और एनवीडिया की साझेदारी के बाद इन्फोसिस ऐसी पेशकश तैयार करेगी जिसे ग्राहक अपने व्यवसायों में जेनरेटिव एआई को एकीकृत करने के लिए अपना सकें। **क्या होता है जेनरेटिव एआई ?**
जेनरेटिव एआई में आम तौर पर कुछ प्रकार की सरल, स्वचालित मेटाडेटा टैगिंग शामिल होती है। एक यूजर एक दस्तावेज अपलोड कर सकता है, और तुरंत बुनियादी जानकारी प्राप्त कर सकता है कि यह किस प्रकार का दस्तावेज है।

टाइम मैगजीन की टॉप 100 में सिर्फ इन्फोसिस का नाम
हाल ही में टाइम मैगजीन और ऑनलाइन डेटा प्लेटफॉर्म स्टेटिस्टा ने 2023 के लिए दुनिया की 750 सर्वश्रेष्ठ कंपनियों की सूची प्रकाशित की थी जिसमें शीर्ष 100 में केवल एक भारतीय कंपनी इन्फोसिस का नाम शामिल था।

एनवीडिया को जानिए
एनवीडिया कॉर्पोरेशन एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी है। कंपनी की वेबसाइट के मुताबिक कंपनी एआई कंप्यूटिंग के क्षेत्र में वर्ल्ड लीडर है।

बैंक अकाउंट हो गया है इनएक्टिव? इस तरह आसानी से दोबारा करवाएं रिएक्टिवेट, जानिए क्या है प्रॉसेस

अधिकांश निष्क्रिय बैंक खाते पुराने बैंक खाते हैं। ये बैंक खाते ऐसे खाते हैं जहां लोगों ने लंबे समय तक किसी भी तरह से लेनदेन नहीं किया है या खाते का उपयोग नहीं किया है। आप अपने निष्क्रिय बैंक अकाउंट को आसानी से दोबारा एक्टिवेट करवा सकते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि ऐसा कैसे होता है और आप इसे कैसे रिएक्टिवेट कर सकते हैं।

नई दिल्ली: बैंक में आप जब भी अपना खाता खुलवाने जाते हैं तो आपका सेविंग अकाउंट ओपन होता है। बैंक खाता निष्क्रिय होना आम बात है। ज्यादातर बैंक खाते जो निष्क्रिय होते हैं वो पुराने बैंक अकाउंट होते हैं। ये बैंक अकाउंट ऐसे अकाउंट होते हैं जिन तक लोगों ने काफी दिनों से कोई ट्रांजेक्शन ना किया हो या इस अकाउंट से किसी भी तरह का कोई उपयोग न किया हो। आज हम आपको इसी के बारे में बताते हैं कि आखिर ऐसा कैसे होता है और इसे कैसे दोबारा चालू करवा सकते हैं।

खाता कैसे होता है निष्क्रिय ?
जब आप अपने बैंक खाते से 12 महीनों तक कोई लेन-देन नहीं करते हैं, तो खाता निष्क्रिय की कैटेगरी में आ जाता है। वहीं जब आप 24 महीनों तक अपने बैंक खाते से कोई लेन-देन नहीं करते हैं, तो बैंक द्वारा खाते को डोरमेंट (Dormant) कर दिया जाता है। बैंक अकाउंट को तीन भाग में बांटा है, पहला एक्टिव, दूसरा इन एक्टिव और तीसरा डोरमेंट। ऐसा बैंक इसलिए करते हैं ताकि आपके खाते के साथ थोड़ा थोड़ा और किसी भी प्रकार के दुरुपयोग के जोखिम को कम किया जा सके।



सिर्फ जी- 20 में तैनात दिल्ली पुलिस की वर्दी पर लगेगी प्रशस्ति डिस्क ,थाने में इयूटी वाले खफा

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षातंत्र में लगे तमाम पुलिस अधिकारियों व पुलिस के जवानों को दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा ने विशेष प्रशस्ति डिस्क और प्रमाणपत्र देने के आदेश दिए हैं। पुलिस अधिकारी व कर्मी इस प्रशस्ति डिस्क को वर्दी पर लगा सकेंगे। स्पेशल आफिसर (पुलिस आयुक्त) मनीषी चन्दा ने एक आदेश में कहा है, कि सिर्फ जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान इयूटी देने वाले 45 से 50 हजार सभी रैंक के पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को प्रशस्ति डिस्क और प्रमाणपत्र दिया जाएगा। इस बात से थानों में इयूटी देने वाले पुलिस कर्मी खासे खफा हैं। बता दें कि स्पेशल सेल की (आईएफएसएसओ) यूनिट की पुलिस अधिकारियों व कर्मियों ने इस मेडल के डिजाइन, रंग, व इस पर लिखावट को तैयार किया है। इस चौकोर आकार की प्रशस्ति डिस्क में सबसे टॉप पर दिल्ली पुलिस लिखा हुआ है।

नीचे दिल्ली पुलिस का लोगो बना हुआ है।उसके नीचे जी-20 लिखा हुआ है। फिर भारत 2023 इंडिया लिखा हुआ है। पुलिसकर्मी इस मेडल को वर्दी पर लेफ्ट साइड में पाकेट के ऊपर उस जगह लगाया जाएगा , जहां गैलेंट्री मेडल लगते हैं। इस वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक प्रशस्ति डिस्क का एक हर विभाग, यूनिट के एचओडी को दे दिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि भारत में अगला जी-20 सम्मेलन का नंबर करीब 20 साल बाद आएगा। ऐसे में उस समय



इयूटी देने वाले-- पुलिसकर्मियों को इस मेडल से प्रेरणा मिलेगी। उधर अब इस मेडल को सिर्फ जी- 20 समिट के दौरान इयूटी देने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को ही देने पर अब सम्मेलन के दौरान थाना इलाके या फिर दिल्ली में दूसरी जगह इयूटी देने वाले पुलिसकर्मियों में भारी रोष है। इन खफा पुलिसकर्मियों का कहना है कि अगर अन्य

पुलिसकर्मियों ने जी-20 में इयूटी दी है तो उन्होंने भी दिल्ली के दूसरे इलाके में इयूटी दी है और इस दौरान राजधानी दिल्ली की कानून व्यवस्था को संभाला है। ऐसे में ये प्रशस्ति डिस्क उन्हें भी मिलना चाहिए। खफा पुलिसकर्मियों का कहना है कि वह इस मामले को जल्द ही पुलिस आयुक्त तक ले जाएंगे।

ऋषियों का पूजन कर, बेटो को राखी बांध, हर्षोल्लास के साथ मनाई ऋषि पंचमी



अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी, ऋषि पंचमी पर ऋषि जी का पूजन कर, अपने बेटों को राखी बांधकर कहानियां कह कर महिलाएं ऋषि पंचमी पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाती हैं। इस दिन महिलाये पूरे दिनभर भोजन नही करके उपवास करती हैं।

चंदा शर्मा ने बताया की ऋषि पंचमी के दिन महिलाये प्रातः काल खेतो में उगे सांवे व मलीचे की पुलियों को लच्छे के धागे से बांधकर पांच ऋषियों की पुतलीयां बनाती हैं। उसमे से तीन ऋषि की पुतलियों को सफ़ेद वस्त्र एवं दो ऋषि की पुतलियों को पीले वस्त्र धारण करा कर उनकी

सुखे सांवे और मलीचे के साथ ही हलवे का भोग लगाकर पूजा अर्चना करती हैं। वही ऋषि जी को राखी भी चढ़ाती हैं जिसे पूजन करने वाली महिलाएं अपने बेटो को बांधकर कहानियां भी कहती हैं। इस दिन महिलाये पूरे दिन उपवास रखती हैं और अन्न नहीं खाती हैं। जबकि सावा, मलिया बना कर ही उपवास का फलाहार करती हैं। चंदा शर्मा ने बताया कि इस ऋषि पंचमी पर्व को लेकर आज शहर के बिलिया खुर्द में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी दुर्गा शर्मा, आरती शर्मा, मंजू शर्मा, निशा शर्मा, नेहा सेन, हंसा शर्मा, चंदा शर्मा व चांदी बाई द्वारा ऋषि पंचमी की पूजा अर्चना कर उपवास भी किया गया।



भादवी छठ के उपलक्ष्य में निकाली गई गाडरी समाज देवसेना संगठन के द्वारा विशाल वाहन रैली



अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भगवान देवनारायण के निलाघर घोड़ा के जन्मोत्सव भादवी छठ के उपलक्ष्य में गाडरी समाज की विशाल वाहन रैली आज 20 सितम्बर 2023, बुधवार को मेवाड़ा गाडरी महासभा के संभाग युवा अध्यक्ष भैरूलाल गाडरी के नेतृत्व में हजारों युवाओं द्वारा निकाली गई। वाहन रैली को पालनाजी के पुजारी लादुजी भोपा, हरनी देव डूंगरी के पुजारी नारायण जी भोपा, गाडरी समाज प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम गाडरी, सोमानी भक्त ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष देवीलाल जी खैराबाद, गाडरी विकास संस्था के

सचिव कैलाश भीलवाड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाज के युवा देव दरबार का जयकारा लगाते हुए रवाना हुए, वाहन रैली का जगह-जगह स्वागत सत्कार किया।भगवान देवनारायण जन्मस्थली मालासेरी डूंगरी पर धर्म सभा को मालासेरी डूंगरी पुजारी हेमराज जी पोसवाल गाडरी समाज युवा प्रदेश अध्यक्ष देवीलाल चित्तौड़ मेवाड़ गाडरी समाज के संभाग अध्यक्ष भैरूलाल गाडरी खायड़ा ने संबोधित किया। भजन संख्या की प्रस्तुति लोकेश मेवाड़ी मोहन झाला शंकर छापरी इसके बाद

प्रसादी वितरण की गई।इस मौके पर देवीलाल जी खैराबाद, देवीलाल चिकसी, भैरूलाल खायड़ा, भंवर गठिलाखेड़ा, छोटू मंगरोप, सत्यप्रकाश, भंवर सालारमाला किराने हरणी रामचंद्र सुवाणा रेमत पालरा देवकिशन नैसरदा शोभा लाल सवाईपुर राधेश्याम फतेहगढ़,, सरपंच सांवरा लाल उदयलाल गाडरी, राजु गाडरी ईंटमारिया भीमराज जी कबराडिया गोपाल श्रीनगर नारायण सालमपुरा पप्पू पायरा सांवरा पासल राकेश उरलाई बालू देवरिया व बड़ी संख्या में समाज के जनप्रतिनिधि अध्यक्ष युवा साथी वरिष्ठ पंच पटेल भी वाहन रैली में भाग लिया।

दिल्ली पुलिस की खिताबी एएसआई पीटी ऊषा

दिल्ली पुलिस की एएसआई वर्दीधारी ललिता मडवाल उर्फ पीटी ऊषा ने देश ही नहीं विदेश में भारत का परचम लहरा चुकी है।उनके महकमें के क्लींग ने उन्हें पीटी ऊषा की के नाम से नवाजते हैं। उनकी मेडलों की फेहरिस्त खासी लंबी है। ललिता मडवाल 5 गोल्ड और 1 सिल्वर नीदरलैंड के वर्ल्ड पुलिस एण्ड फायर गेम्स 2022 में कब्जा कर चुकी है। वहीं एशियन मास्टर्स एथलेटिक्स, जापान में ब्रांड मेडल, सिंगापुर में 2000 मीटर की रेस में 2 सिल्वर मेडल, 2019 मलेशिया मास्टर्स एथलेटिक्स में 2 गोल्ड, अपने नाम झटक चुकी है।

मजेदार बात ये है वह 1 बेटी की मां है। ललिता मडवाल की बेटी भी उनके पदचिह्न पर चल रही है। वह अच्छी बैडमिंटन खिलाड़ी है। ललिता अपने परिवार में सबसे छोटी बेटी है। वह बताती हैं कि उन्हें बचपन से दौड़न का शौक था। उनके बड़े भाई ने बढ़ावा दिया। 1991 में पहली बार स्कूल रेस प्रतियोगिता में भाग लिया।और वह पहले स्थान पर आई।उसके बाद साल 1994 में इंटर जोन रनिंग में बेस्ट एथलेटिक्स का मेडल झटका। इसके बाद ललिता का जूनियर इंडिया कैप में चयन हो गया। इसके बाद ललिता ने पीछे मुड़कर



नहीं देखा। लेकिन गुरु भाई का देहांत हो गया। लेकिन ललिता ने हिम्मत नहीं हारी और साल 2000 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हो गई। इसमें ललिता ने बेस्ट कमांडो का अवार्ड जीता। आज ललिता मधवाल राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा में तैनात है। ललिता ने बताया कि वह रोज सुबह 3:30 बजे उठती है। उसके बाद परिवार के खाने की तैयारी कर सुबह 5 से 8 बजे तक जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में रोज प्रैक्टिस के लिए जाती है। वह बताती हैं कि प्रैक्टिस और इयूटी दोनों में कभी कोताही नहीं बरतती। वरिष्ठ अधिकारियों ने भी ललिता को प्रोत्साहित किया है। ललिता अपने अधिकारियों और क्लींगों के सहयोग के लिए हमेशा धन्यवाद देना नहीं भूलती है।

महंत शास्त्री ने धर्म ध्वज दिखा कंचनधाम दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की बस को निम्बार्क आश्रम से किया रवाना



अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। गांधी नगर स्थित निम्बार्क आश्रम के महंत मोहन शरण शास्त्री ने बुधवार को सनातनी धर्म ध्वजा दिखाकर महर्षि गर्ग ऋषि की तपोभूमि दर्शन हेतु कंचनधाम जाने वाले श्रद्धालुओं की एक बस को निम्बार्क आश्रम से रवाना किया। गोपाल नारायण नागर ने बताया कि महर्षि

महामुनि गर्ग ऋषि भगवान श्री कृष्ण के कुल युद्धवंशी के राजगुरु थे। इन्होंने भगवान श्री कृष्ण का नामकरण संस्कार व भविष्य वर्णन कर विभिन्न लीलाओं का आगम व भविष्यवाणी की थी। इन्होंने नंद परिवार वासुदेव पर कंस का संकट आने पर स्वयं नंदबाबा के महल जाकर भविष्य वर्णन करके भी बताया था। ऐसे तपोनिष्ठ ऋषि की सदियों पुरानी तपोभूमि रही बूंदी जिले के

खटकड़ गांव के पास कंचनधाम के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की एक बस को बुधवार प्रातः 7:15 बजे निम्बार्क आश्रम के महंत मोहन शरण शास्त्री ने सनातनी धर्म ध्वजा दिखाकर डॉक्टर भेरूलाल गर्ग के सानिध्य में बस को निम्बार्क आश्रम से कंचनधाम दर्शन हेतु रवाना किया। जिसमें शिव प्रसाद गर्ग, घनश्याम शर्मा व गिरिराज सहित सैकड़ों महिला पुरुष व बाल बच्चे मौजूद थे।

महावीर इंटरनेशनल मीरा द्वारा देहदान महादान के बैनर का किया विमोचन

भीलवाड़ा। मीरा अध्यक्ष मंजु बापना ने बताया की अहिंसा भवन में विराजित उमराव कवर् जी महारासाहब व डॉ. प्रीति सुधा जी म.सा. के सानिध्य में देहदान महादान के बैनर का विमोचन अंतर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजु पोखरना, जोन चेयरपर्सन मंजु खटवड़, ट्रस्टी बलवीर देवी चौरडिया व समाज सेवी स्नेहलता धारिवाल की उपस्थिति में किया गया। साथ ही तपस्या करने वाली बहन का भी सम्मान किया गया। डिप्टी डायरेक्टर अर्चना सोनी का कहना है कि व्यक्ति मरणोपरांत भी किसी को जीवन दान दे सकता है, यही नहीं वह ऐसे चिकित्सक को गडने में भी भागीदार होता है जो वर्षों तक चिकित्सा सेवा के माध्यम से देश विदेश में लाखों लोगों की जान बचाता है। कार्यक्रम में मंजु पोखरना, मंजु खटवड़, मंजु बापना, बलवीर देवी चौरडिया, स्नेहलता धारिवाल, अर्चना सोनी, बसन्ता डौंगी, चन्द्रकला महता, पुष्पा लोढ़ा, सुशीला लोढ़ा, निर्मला खटोड़, अंजना सिसोदिया आदि उपस्थित थे।



कलाकारों ने पर्यावरण और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए एक बड़ा प्रयास किया है - ईटीओ पंजाब आर्ट इनिशिएटिव - अमृतसर संस्करण ने उद्घाटन शो लॉन्च

अमृतसर, (साहिल बेरी) पंजाब आर्ट इनिशिएटिव-अमृतसर संस्करण, यूज आर्ट्स फाउंडेशन द्वारा समर्थित सार्वजनिक कला महोत्सव ने आज अपने उद्घाटन की घोषणा की। पहला महीने भर चलने वाला संस्करण। इस संस्करण को कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने लॉन्च किया। अपने संबोधन में उन्होंने कलाकारों की सराहना की और कहा कि यह पहल पंजाब के पर्यावरण और विरासत को संरक्षित करने की एक बेहतरीन पहल है। उन्होंने कहा कि पंजाब

सरकार अपने पंजाब को रंग-बिरंगा पंजाब बनाने के लिए प्रयास कर रही है और ये प्रयास तभी संभव होंगे जब आपका ऐसा सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि इतनी सारी रचनाओं में दिया गया संदेश बच्चों और युवाओं के दिलों को आसानी से छू जाता है, जो जागरूकता के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने किसानों से आगामी धान के सीजन में पराली न जलाने की अपील करते हुए कहा कि आप खेतों और पर्यावरण को बचाने के लिए सतर्क रहें, हम आपके साथ हैं।

